देश ने चावल उत्पादन में चीन को पीछे छोड़कर 150.18 मिलियन टन उत्पादन के साथ नया कीर्तिमान स्थापित किया

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोकशक्ति

25 फसलों की 184 नई किस्में राष्ट्र को समर्पित

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-62 > अंक - 11 | रायपुर | सोमवार 5 जनवरी 2026 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2026-28

विद्युत मंत्री जम्मू - कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर, हाइड्रोइलेक्ट्रिक परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे

पहले दिन सलाल, सवालकोट और रतले परियोजनाओं की समीक्षा की

पीआईबी

केंद्रीय विद्युत और आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल, भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के सचिव (बिजली) श्री पंकज अग्रवाल के साथ, आज जम्मू - कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में एनएचपीसी की हाइड्रोइलेक्ट्रिक परियोजनाओं की समीक्षा करने के लिए जम्मू पहुंचे। एनएचपीसी के सीएमडी श्री भूपेंद्र गुप्ता ने मंत्री को जम्मू - कश्मीर में स्थित विभिन्न एनएचपीसी हाइड्रोइलेक्ट्रिक परियोजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी दी। दो दिवसीय दौरे में रियासी, रामबन और किश्तवाड़ जिलों में स्थित परियोजनाओं का निरीक्षण शामिल है। आज, श्री मनोहर लाल ने एनएचपीसी के सलाल पावर प्रोजेक्ट का दौरा किया, जहाँ उन्हें चल रहे कामों के बारे में बताया गया। उन्होंने एनएचपीसी को सलाल जलाशय से गाद हटाने के काम में तेज़ी लाने का निर्देश दिया।

यह बताना ज़रूरी है कि रियासी जिले में चिनाब नदी पर स्थित सलाल पावर स्टेशन, सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) के खत्म होने के बाद गाद हटाने का काम कर रहा है, जिसका उद्देश्य जमा हुई गाद को हटाना और जल संसाधनों का ज़्यादा से ज़्यादा इस्तेमाल करना है। सलाला पावर स्टेशन के दौरे के दौरान, मंत्री ने पावर स्टेशन परिसर में पौधारोपण अभियान भी चलाया, जो पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाता है।

वाराणसी में 72वें राष्ट्रीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन

देश 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए प्रयासरत

संवाददाता

उन्होंने कहा कि वाराणसी ने कई राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी दिए हैं और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, यूपी कॉलेज और काशी विद्यापीठ जैसे संस्थानों के खिलाड़ियों ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। श्री मोदी ने कहा कि हजारों वर्षों से वाराणसी ज्ञान और कला की खोज में आने वाले सभी लोगों का स्वागत करता आया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप के दौरान वाराणसी का उत्साह बरकरार रहेगा, खिलाड़ियों को उनका उत्साहवर्धन करने के लिए दर्शक मिलेंगे और वे वाराणसी की समृद्ध आतिथ्य सत्कार की परंपरा का अनुभव भी करेंगे।

श्री मोदी ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की विकास और अर्थव्यवस्था की सराहना कर रही है। उन्होंने कहा कि यह प्रगति केवल आर्थिक मोर्चे तक ही सीमित नहीं है बल्कि खेल जगत में दिख रहे आत्मविश्वास में भी झलकती है। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में, 2014 से विभिन्न खेलों में भारत का प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ है और उन्हें जेन-जेड खिलाड़ियों को मैदान पर तिरंगा फहराते देखकर गर्व महसूस होता है।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि वॉलीबॉल कोई साधारण खेल नहीं है बल्कि यह संतुलन और सहयोग का खेल है जहां गेंद को हमेशा हवा में रखने के प्रयास में दृढ़ संकल्प झलकता है। उन्होंने बताया कि वॉलीबॉल खिलाड़ियों को टीम भावना से जोड़ता है, जहां हर खिलाड़ी 'टीम पहले' के मंत्र से प्रेरित होता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भले ही प्रत्येक खिलाड़ी के पास अलग-अलग कौशल हों लेकिन सभी अपनी टीम की जीत के लिए खेलते हैं। श्री मोदी ने भारत के विकास की कहानी और वॉलीबॉल के बीच समानताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यह खेल सिखाता है कि कोई भी जीत अकेले प्राप्त नहीं होती बल्कि जीत समन्वय, विश्वास और टीम की तैयारी पर निर्भर करती है।

प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि एक समय ऐसा था जब सरकार और समाज दोनों ही खेलों के प्रति उदासीन थे जिससे खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी रहती थी और बहुत कम युवा खेलों को अपना करियर बनाते थे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पिछले एक दशक में खेलों के प्रति सरकार और समाज दोनों की सोच में बदलाव आया है। श्री मोदी ने कहा कि सरकार ने खेल के बजट में उल्लेखनीय वृद्धि की है और आज भारत का खेल मॉडल 'खिलाड़ी-केंद्रित' हो गया है जिसमें प्रतिभा की पहचान, वैज्ञानिक प्रशिक्षण, पोषण और पारदर्शी चयन पर ध्यान केंद्रित किया जाता है जिससे यह सुनिश्चित होता है कि खिलाड़ियों के हितों को हर स्तर पर प्राथमिकता दी जाए। प्रधानमंत्री ने कहा, ÷आज देश में तेजी से सुधार हो रहे हैं, हर क्षेत्र और हर विकास लक्ष्य इससे जुड़ा हुआ है, और खेल भी उनमें से एक है।÷ उन्होंने बताया कि सरकार ने खेल के क्षेत्र में कई बड़े सुधार किए हैं जिनमें राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम और खेलो भारत नीति 2025 शामिल हैं। इनसे प्रतिभाओं को अवसर मिलेंगे और खेल संगठनों में पारदर्शिता बढ़ेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन प्रावधानों से युवाओं को खेल और शिक्षा दोनों क्षेत्रों में एक साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। श्री मोदी ने कहा कि टीओपी जैसी पहल भारत में खेल जगत को बदल रही हैं जिनमें मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार करने, वित्तपोषण तंत्र विकसित करने और युवा खिलाड़ियों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने कई शहरों में 20 से अधिक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी की है जिनमें फीफा अंडर-17 विश्व कप, हॉकी विश्व कप और प्रमुख शतरंज टूर्नामेंट शामिल हैं।

भाजपा का राहुल गांधी की ट्रेनिंग पर तंज बोले- कांग्रेस को चुनाव हारने का ही देंगे प्रशिक्षण

एजेंसी

चंडीगढ़ ,। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने ''कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा कुरुक्षेत्र में कांग्रेस के जिला अध्यक्षों को प्रशिक्षण दिए जाने के सवाल पर तंज कसते हुए कहा कि यह कांग्रेस का आंतरिक मामला है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रशिक्षण वही व्यक्ति दे सकता है जो स्वयं उस पर अमल करता हो, और राहुल गांधी वर्षों से लगातार ऐसे 'एक्शन' करते आ रहे हैं जिनसे कांग्रेस चुनाव हारती रही है। ऐसे में वे निश्चित रूप से यही सिखाएंगे कि चुनाव कैसे हारवाए जाते हैं''। इसके अलावा, विज ने श्रम विभाग में कथित वर्कस्लिप घोटाले को लेकर आम आदमी पार्टी नेता अनुराग ढांडा द्वारा लगाए गए आरोपों पर कहा कि ''अनुराग ढांडा को इस विषय की पूरी जानकारी नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह योजना वर्ष 2007 से चली आ रही है और इस दौरान कई सरकारें बदल चुकी हैं। जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि किस सरकार के कार्यकाल में कितनी अनियमितताएँ हुई हैं''।

आरएसएस चीफ मोहन भागवत बोले- परिवार के भीतर बच्चों से बातचीत करने से रुकेगा लव जिहाद

नई दिल्ली.

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि परिवार के भीतर मजबूत संवाद के जरिए लव जिहाद जैसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है. उनका कहना था कि जब घर में खुलकर और नियमित बातचीत होती है, तो ऐसी समस्याएं अपने आप कम होने लगती हैं. भोपाल के शिवनेरी भवन में आयोजित स्त्री शक्ति संवाद कार्यक्रम में उन्होंने यह विचार रखे. मोहन भागवत ने कहा कि समाज को यह आत्ममंथन करना चाहिए कि किसी परिवार की बेटी किसी बाहरी व्यक्ति के बहकावे में कैसे आ जाती है. उनके अनुसार,

परिवार के सदस्यों के बीच संवाद की कमी और आपसी दूरी इस तरह की स्थितियों को जन्म देती है. उन्होंने कहा कि जब घर में निरंतर बातचीत का माहौल होता है, तो धर्म, संस्कृति और परंपराओं के प्रति सम्मान स्वाभाविक रूप से विकसित होता है. संघ प्रमुख ने ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए तीन अहम बिंदुओं पर जोर दिया. पहला, परिवार के भीतर निरंतर और सकारात्मक संवाद.

छोटे निर्यातकों को सरकार का बड़ा तोहफा : एक्सपोर्ट को बढ़ाने के लिए नई स्कीमें लॉन्च

;नई दिल्ली एजेंसी। देश के छोटे और मध्यम उद्योगों को वैश्विक बाजार में मुकाबला करने और निर्यात के मोर्चे पर मजबूत बनाने के लिए केंद्र सरकार ने नए साल में बड़ा कदम उठाया है। वाणिज्य मंत्रालय ने एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन (EPM) के तहत दो महत्वपूर्ण योजनाओं की शुरुआत की है, जिनका सीधा लाभ उन एमएसएमई को मिलेगा जो विदेशों में अपना सामान बेचते हैं या निर्यात करने की योजना बना रहे हैं। इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य निर्यातकों को सस्ती दरों पर कर्ज उपलब्ध कराना, वित्त की आसान व्यवस्था करना और उन्हें नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचने में मदद करना है।

सरकार द्वारा लॉन्च की गई पहली योजना 'इंटरेस्ट सबवेंशन स्कीम' है, जिसके तहत एमएसएमई निर्यातकों को

प्री-शिपमेंट और पोस्ट-शिपमेंट दोनों तरह के एक्सपोर्ट क्रेडिट पर ब्याज में बड़ी राहत दी जाएगी। आमतौर पर एमएसएमई को बैंकों से कर्ज लेने पर 9.5 से 12.5 फीसदी तक ब्याज चुकाना पड़ता है, लेकिन इस स्कीम के लागू होने से उन्हें बाजार दरों से करीब 2.75 फीसदी कम ब्याज पर कर्ज मिल सकेगा। यह योजना साल 2025 से 2031 तक यानी अगले छह साल के लिए प्रभावी रहेगी और सरकार ने इसके लिए 5,181 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है। कर्ज पर ब्याज दर रेपो रेट से जुड़ी होगी। साथ ही, सरकार ने साफ किया है कि जो निर्यातक पारंपरिक बाजारों से हटकर नए और उभरते हुए देशों में अपना माल भेजेंगे, उन्हें भविष्य में अतिरिक्त इंसेंटिव भी दिया जाएगा।

दूसरी बड़ी राहत 'कोलैटरल सपोर्ट फॉर एक्सपोर्ट क्रेडिट' स्कीम के जरिए दी गई है। इसके तहत अब एमएसएमई को बैंक से लोन लेने के लिए भारी-भरकम गारंटी देने या संपत्ति गिरवी रखने की जरूरत नहीं होगी। कम कोलैटरल या थर्ड-पार्टी गारंटी पर भी एक्सपोर्ट लोन आसानी से मिल सकेगा, जिसे सीजीटीएमएसई (CGTMSE) के माध्यम से लागू किया जाएगा। यह पहल ऐसे समय में आई है जब अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए गए भारी टैरिफ के कारण कई छोटे निर्यातक दबाव महसूस कर रहे हैं। सरकार ने दिसंबर में ही 25,060 करोड़ रुपये के एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन को मंजूरी दी थी और ये नई स्कीमें उसी दिशा में उठाया गया ठोस कदम हैं।

ओडिशा : अवैध खनन के दौरान विस्फोट, दो मजदूरों की मौत, कई के दबे होने की आशंका

भुवनेश्वर,

ओडिशा के ढेंकनाल में एक पत्थर की खदान में धमाके की खबर सामने आई है. इसके कारण खदान में कई मजदूर फंसे हो सकते हैं. हादसे में कई के मारे जाने का अंदेशा बना हुआ है. मजदूरों को बचाने की प्रक्रिया जारी है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ढेंकनाल के गोपालपुर में अवैध पत्थर खदान में विस्फोट हुआ.अब तक दो मजदूरों के शव मिले हैं. इस हादसे में कई मजदूरों के फंसे होने का दावा किया जा रहा है. यह हादसा शनिवार 3 जनवरी की देर रात का बताया जा रहा है. हादसे की जानकारी पुलिस को देर से मिली. इलाके में राहत का काम जारी है. इसके साथ यहां पर आवाजाही को रोक दिया गया है।

बिहार के गोपालगंज पहुंचा दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग, दर्शन के लिए उमड़े हजारों भक्त

एजेंसी

तमिलनाडु के महाबलीपुरम में निर्मित दुनिया का सबसे विशाल, 210 मीट्रिक टन वजनी शिवलिंग बिहार के गोपालगंज पहुंच गया है। एक ही ब्लैक ग्रेनाइट पत्थर से बने इस शिवलिंग को पूर्वी चंपारण के केसरिया स्थित विराट रामायण मंदिर में स्थापित किया जाएगा, जो एक प्रमुख धार्मिक केंद्र बनने की ओर अग्रसर है।

तमिलनाडु के महाबलीपुरम से शुरू हुई एक ऐतिहासिक यात्रा अब अपने अंतिम पड़ाव के करीब है। दुनिया का सबसे विशाल शिवलिंग बिहार के

गोपालगंज पहुंच चुका है, जहाँ इसके दर्शन के लिए भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा है। 210 मीट्रिक टन वजनी और 33 फीट ऊंचे इस शिवलिंग को पूर्वी चंपारण के केसरिया स्थित 'विराट रामायण मंदिर' में स्थापित किया जाएगा।

10 साल की मेहनत और एक ही पत्थर से निर्माण

इस अद्भुत शिवलिंग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे तमिलनाडु के महाबलीपुरम में एक ही विशाल 'ब्लैक ग्रेनाइट' पत्थर (मोनोलिथ) को काटकर बनाया गया है। इसे तराशने में कलाकारों को करीब 10 साल का समय लगा। शिवलिंग की सतह पर 1008 छोटे सहस्त्रलिंगम भी उकेरे गए हैं, जो इसकी दिव्यता को और बढ़ाते हैं। इस भारी-भरकम शिवलिंग को 96 पहियों वाले एक विशेष ट्रक के जरिए सड़क मार्ग से बिहार लाया गया है।

विदेश | टाइफून एफजीआर4एस फाइटर जेट्स ने फ्रांसीसी विमानों के साथ एक संयुक्त कार्रवाई

ब्रिटेन-फ्रांस ने सीरिया में की एयर स्ट्राइक, बमों से उड़ाया आतंकियों का भूमिगत हथियार डिपो

लंदन एजेंसी

ब्रिटेन और फ्रांस ने एक संयुक्त ऑपरेशन में सीरिया के अंदर आतंकी ठिकानों पर स्ट्राइक की है। लड़ाकू विमानों ने सीरिया में इस्लामिक स्टेट ग्रुप के एक संदिग्ध भूमिगत हथियार डिपो पर बमबारी की। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने अपने एक बयान में कहा कि इस हमले में किसी आम नागरिक को नुकसान नहीं पहुंचा है और सभी एयरक्राफ्ट ऑपरेशन के बाद सुरक्षित लौट आए हैं। सीरिया में इस्लामिक स्टेट ग्रुप (दाएश आतंकवादी संगठन) फिर से उभरने की कोशिश में है, जिसने 2019 तक सीरिया के कुछ हिस्सों पर कब्जा कर लिया था। इसे रोकने के लिए ब्रिटेन ने फ्रांस के साथ मिलकर ऑपरेशन किया।

ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने कहा, रॉयल एयरफोर्स के एयरक्राफ्ट मार्च 2019 में अपनी सैन्य हार के बाद दाएश आतंकवादी ग्रुप के किसी भी संभावित पुनरुत्थान को रोकने के लिए सीरिया के ऊपर गश्त करना जारी रखे हुए हैं। सावधानीपूर्वक खुफिया विश्लेषण ने पलमायरा के प्रमुख स्थल से कुछ मील उत्तर में पहाड़ों में एक भूमिगत ठिकाने की पहचान की। इस ठिकाने पर दाएश का कब्जा था, जिसका इस्तेमाल हथियार और विस्फोटक जमा करने के लिए किया जाता था। ठिकाने के आसपास के क्षेत्र में कोई नागरिक बस्ती नहीं है।

रॉयल एयरफोर्स के टाइफून एफजीआर4एस फाइटर जेट्स ने फ्रांसीसी विमानों के साथ एक संयुक्त कार्रवाई में 3 जनवरी की शाम को भूमिगत ठिकाने पर हमला किया। विमानों ने ठिकाने तक जाने वाली कई सुरंगों को निशाना बनाने के लिए पेववे-4 गाइडेड बमों का इस्तेमाल किया। रक्षा मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि शुरुआती संकेत हैं कि लड़ाकू विमानों ने लक्ष्य को सफलतापूर्वक निशाना बनाया।

वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई : भारत ने कहा- शांति से सुलझाएं मसला

एजेंसी

वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी पर भारत सरकार ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने रविवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर वहां के ताजा हालातों पर 'गहरी चिंता' व्यक्त की है। भारत ने स्पष्ट किया है कि वह वेनेजुएला में तेजी से बदलती स्थिति पर करीब से नजर बनाए हुए है।

विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, 'भारत वेनेजुएला के लोगों की भलाई और सुरक्षा के लिए अपने समर्थन की पुष्टि करता है। हम सभी संबंधित पक्षों से आग्रह करते हैं कि वे शांतिपूर्ण बातचीत के जरिए मुद्दों को सुलझाएं ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित की जा सके।'

भारतीय नागरिकों के लिए सख्त चेतावनी - बढ़ते तनाव को देखते हुए विदेश मंत्रालय ने बीत दिन को ही एक ट्रैवल एडवायजरी जारी की थी। इसमें भारतीय नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे वेनेजुएला की सभी 'गैर-जरूरी यात्रा' से बचें। जो भारतीय वर्तमान में वहां मौजूद हैं, उन्हें अत्यधिक सावधानी बरतने और अपनी आवाजाही सीमित रखने को कहा गया है। कराकास स्थित भारतीय दूतावास वहां रह रहे भारतीय समुदाय के लगातार संपर्क में है। आपातकालीन स्थिति के लिए दूतावास ने निम्नलिखित संपर्क सूत्र साझा किए हैं, ईमेलः cons.caracas@mea.gov.in और हेल्पलाइन नंबरः +58-412-9584288।

क्या है पूरा विवाद?

यह कूटनीतिक हलचल तब शुरू हुई जब शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर अमेरिकी सेना ने काराकास में एक बड़ा सैन्य ऑपरेशन चलाया। 'नारको-टेरेरिज्म' पर कार्रवाई के नाम पर किए गए इस हमले में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लेकर देश से बाहर ले जाया गया है। ट्रंप ने एलान किया है कि सत्ता के सुरक्षित हस्तांतरण तक वेनेजुएला का प्रशासन अमेरिका के नियंत्रण में रहेगा। भारत के लिए वेनेजुएला सामरिक और ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण है, इसलिए नई दिल्ली के इस बयान को वैश्विक राजनीति में अहम माना जा रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि कोलंबिया में कोकीन का निर्माण हो रहा है और उसे अमेरिका भेजा जा रहा है। इसी संदर्भ में उन्होंने कहा कि पेट्रो को अपनी सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए। हालांकि, पेट्रो ने ट्रंप का नाम लिए बिना अमेरिकी कार्रवाई को लैटिन अमेरिका की संप्रभुता पर सीधा हमला बताया और चेतावनी दी कि इससे पूरे क्षेत्र में गंभीर मानवीय संकट पैदा हो सकता है। गुस्तावो पेट्रो पहले भी कैरिबियन क्षेत्र में ड्रग तस्करी के नाम पर अमेरिकी सैन्य तैनाती के कड़े आलोचक रहे हैं।

ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई ने दिया 'दंगाइयों' को कुचलने का आदेश

ट्रंप के वेनेजुएला पर एक्शन ने बढ़ाई उनकी बेचैनी

तेहरान ,ईरान में बिगड़ती आर्थिक स्थिति और मुद्रा रियाल के लगातार कमजोर होने से उपजे विरोध-प्रदर्शन अब हिंसक मोड़ पर पहुंच गए हैं। बीते एक हफ्ते से जारी अशांति के बीच देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने पहली बार सार्वजनिक प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सुरक्षा बलों को निर्देश दिया है कि वे हिंसा करने वालों के खिलाफ सख्ती बरतें, जबकि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों से संवाद बनाए रखें। सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में 86 वर्षीय खामेनेई ने कहा कि प्रदर्शन और दंगों के बीच फर्क करना जरूरी है। उनके अनुसार, शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की बात सुनी जानी चाहिए, लेकिन हिंसा फैलाने वालों के साथ किसी तरह की नरमी उचित नहीं है। उन्होंने मौजूदा हालात के लिए अमेरिका और इजराइल जैसी विदेशी शक्तियों को जिम्मेदार ठहराया और रियाल की गिरावट को भी दुश्मनों की साजिश बताया। देश के 31 में से 22 प्रांतों में विरोध-प्रदर्शन फैल चुके हैं। शनिवार रात हुई झड़पों में दो और लोगों की मौत हो गई, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। कोम शहर में एक ग्रेनेड विस्फोट में एक व्यक्ति की जान गई।

छोटे किसानों की आत्मनिर्भरता की नई राह, मेहनत से बदली किस्मत, रैनधर राणा को मत्स्य पालन से मिली 50 हजार रुपये की अतिरिक्त आय

रायपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से बीजापुर जिले में महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत आजीविका डबरी निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा लगभग 1,000 आजीविका डबरियों को स्वीकृत करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्ष 2025-26 में अब तक 9 करोड़ 75 लाख रुपये की लागत से 431 आजीविका डबरियाँ स्वीकृत की जा चुकी हैं।आजीविका डबरियों के निर्माण से न केवल सिंचाई सुविधा का विस्तार हुआ है, बल्कि जल संरक्षण और भू-जल संवर्धन को भी बढ़ावा मिला है। इन डबरियों के माध्यम से किसान सिंचाई, बागवानी और मत्स्य पालन जैसी गतिविधियों से अतिरिक्त आय अर्जित कर रहे हैं।

मेहनत ने लिखी सफलता की कहानी

बीजापुर जिले की ग्राम पंचायत गंगालूर के किसान श्री रैनधर राणा ने आजीविका डबरी का सफल उपयोग कर एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने अपनी डबरी में मत्स्य पालन कर लगभग 50,000 रुपये की अतिरिक्त आय प्राप्त की है। इसके साथ ही उन्होंने अपनी 1 एकड़ कृषि भूमि में लगभग 25 मिश्रित फलदार पौधों का रोपण किया है, जिनमें आम और अमरूद प्रमुख हैं।

तकनीकी सहायक श्री तोरण लाल उर्वशा ने बताया कि श्री रैनधर राणा द्वारा वर्ष 2021-22 में 1 लाख 60 हजार रुपये की लागत से आजीविका डबरी का निर्माण कराया गया था। यह डबरी अब उनकी आय वृद्धि और आत्मनिर्भरता का प्रमुख साधन बन चुकी है। डबरी का आकार 20 मीटर लंबाई, 20 मीटर चौड़ाई और 2.5 मीटर गहराई का है। वर्तमान में आजीविका और मत्स्य पालन को ध्यान में रखते हुए 3 मीटर गहराई की डबरियाँ निर्मित की जा रही हैं।

रोजगार सहायक श्री प्रताप सेमल ने बताया कि डबरी निर्माण कार्य के दौरान लगभग 800 मानव-दिवस का रोजगार सृजित हुआ।

महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत निर्मित आजीविका डबरियाँ ग्रामीण किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने और सतत कृषि को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। यह योजना छोटे किसानों के लिए आत्मनिर्भरता की नई राह बनकर सामने आ रही है।

बिहान से व्यवसाय तक : सेंट्रिंग प्लेट के माध्यम से जामुन साहू बनीं आत्मनिर्भर

धमतरी । छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी बिहान योजना ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन की सशक्त मिसाल बन रही है। यह योजना न केवल महिलाओं को संगठित कर रही है, बल्कि उन्हें स्वरोजगार और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ाकर आत्मनिर्भर भी बना रही है। इसी का प्रेरक उदाहरण हैं धमतरी जिले के ग्राम पंचायत लिमतरा की जय शिव शक्ति स्व-सहायता समूह की सदस्य जामुन साहू, जिन्होंने सेंट्रिंग प्लेट के व्यवसाय को अपनाकर आर्थिक सशक्तिकरण की नई कहानी लिखी है। जामुन साहू बिहान योजना से जुड़कर स्व-सहायता समूह की सक्रिय सदस्य बनीं। वे आंचल महिला संकुल स्तरीय संगठन सम्बलपुर से भी जुड़ी रहीं और समूह के माध्यम से रिसोर्स बुक कीपर के रूप में कार्य किया। इस दौरान उन्हें आजीविका के नए अवसरों को समझने और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। निरंतर सीखने की जिज्ञासा और कुछ नया करने के संकल्प ने उन्हें सेंट्रिंग प्लेट के व्यवसाय की ओर अग्रसर किया। जामुन साहू ने समूह के सहयोग से 10 हजार रुपये का बैंक ऋण तथा 60 हजार रुपये का कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड ऋण प्राप्त कर लगभग 3 हजार वर्गफीट सेंट्रिंग प्लेट खरीदी। वे इन सेंट्रिंग प्लेटों को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बन रहे पक्के मकानों के निर्माण हेतु किराये पर उपलब्ध कराती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में पक्के मकानों की संख्या बढ़ने से सेंट्रिंग प्लेट की मांग लगातार बढ़ रही है, जिसका सीधा लाभ उनके व्यवसाय को मिल रहा है। आज स्थिति यह है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गांव में बन रहे आवासों के लिए उन्हें पहले से एडवांस बुकिंग मिलने लगी है। इससे श्रीमती साहू को वर्षभर में औसतन लगभग डेढ़ लाख रुपये तक की अतिरिक्त आमदनी हो रही है। इस आय से उन्होंने समय पर बैंक ऋण का भुगतान कर दिया है और परिवार की आर्थिक स्थिति को भी सुदृढ़ बनाया है। साथ ही यह व्यवसाय स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित कर रहा है। प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक असर जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। जामुन साहू बताती हैं कि उन्हें महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता राशि भी मिल रही है, जिससे वे घरेलू आवश्यकताओं और छोटे खर्चों का प्रबंधन सहजता से कर पा रही हैं। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने इस सफलता पर कहा कि बिहान योजना के माध्यम से महिलाओं में उद्यमशीलता की भावना विकसित हो रही है। जामुन साहू जैसी महिलाएं यह सिद्ध कर रही हैं कि सही मार्गदर्शन, वित्तीय सहयोग और आत्मविश्वास से ग्रामीण महिलाएं भी सफल उद्यमी बन सकती हैं। जिला प्रशासन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु हरसंभव सहयोग करता रहेगा। जामुन साहू न केवल अपने परिवार के लिए संबल बनी हैं, बल्कि आसपास की अनेक महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत भी बन गई हैं। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि सरकारी योजनाओं का सही उपयोग कर महिलाएं आत्मनिर्भरता और समृद्धि की नई राह बना सकती हैं।

जिला पुलिस बीजापुर की यातायात शाखा द्वारा 36वें यातायात जागरूकता माह का भव्य शुभारम्भ

बीजापुर। जिला पुलिस बीजापुर की यातायात शाखा द्वारा आज 36वें यातायात जागरूकता माह का उद्घाटन कार्यक्रम यातायात शाखा, बीजापुर में गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ भारत माता के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया।उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में घासीराम नाग (बीजेपी जिलाध्यक्ष), माया झाड़ी (महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष), भुवन चौहान (नगरपालिका उपाध्यक्ष), जागर लक्ष्मैया (पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष) विशेष रूप से उपस्थित रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन अमन झा (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, आईपीएस) द्वारा किया गया। इस अवसर पर विनीत कुमार साहू (यातायात नोडल अधिकारी), सुदीप सरकार (उप पुलिस अधीक्षक, नक्सल ऑप्स), शरद जायसवाल (मुख्यालय डीएसपी),जिला परिवहन अधिकारी किशन लाल माहौर, केशव ठाकुर (यातायात प्रभारी) सहित 15वीं बटालियन सशस्त्र बल के जवान, डीआरजी के जवान, पत्रकारगण, जनप्रतिनिधि, सामान्य नागरिक तथा यातायात शाखा के अधिकारीकर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।कार्यक्रम को

संबोधित करते हुए घासीराम नाग ने कहा कि यातायात नियमों का पालन केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी है। हेलमेट और सीट बेल्ट जैसे छोटे-छोटे उपाय अनमोल जीवन की रक्षा करते हैं।आईपीएस अमन झा ने अपने संदेश में कहा कि सड़क सुरक्षा के लिए पुलिस और नागरिकों की साझेदारी आवश्यक है। जागरूकता ही दुर्घटनाओं में कमी लाने का सबसे प्रभावी माध्यम है।वहीं यातायात नोडल अधिकारी विनीत कुमार साहू ने बताया कि यातायात जागरूकता माह के दौरान जिलेभर में रैली, शिविर, विद्यालयीन कार्यक्रम और जन-जागरूकता गतिविधियाँ संचालित की जाएँगी, ताकि सुरक्षित यातायात की संस्कृति विकसित हो सके।उद्घाटन के पश्चात नगर में हेलमेट पहनकर बाइक रैली का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने सुरक्षित ड्राइविंग, हेलमेट उपयोग, सीट बेल्ट और यातायात नियमों के पालन का संदेश दिया। रैली के माध्यम से आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों में यातायात नियमों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना, दुर्घटनाओं में कमी लाना तथा ÷सुरक्षित यातायात–सुरक्षित जीवन का संदेश जन-जन तक पहुँचाना रहा।

कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय का किया निरीक्षण

कोण्डागांव । कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने शनिवार को जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आपातकालीन वार्ड सहित चिकित्सालय की विभिन्न इकाइयों एवं वार्डों में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय में मरीजों को दी जा रही सेवाओं, व्यवस्थाओं एवं आवश्यकताओं का आकलन कर संबंधित विभागीय अधिकारियों को विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सालय परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था का भी निरीक्षण किया तथा मरीजों के परिजनों को दीदी की रसोई में ही भोजन करने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने परिसर में निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. के. चतुर्वेदी, सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. पी. एल. मंडावी, डीपीएम भावना माहलवार सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक उसेंडी ने भीरागांव में किया हाई स्कूल भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन

कोंडागांव । बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और कोंडागांव विधायक लता उसेंडी ने शनिवार को माकड़ी विकासखण्ड के ग्राम भीरागांव को हाईस्कूल भवन निर्माण कार्य की सौगात दी। उन्होंने 70.23 लाख रूपए की लागत से हाई स्कूल भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। विधायक उसेंडी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हाई स्कूल के पक्के भवन के निर्माण से विद्यार्थियों को बेहतर अधोसंरचना उपलब्ध होगी, जिससे उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सुविधा मिल सकेगी। इस दौरान जनपद अध्यक्ष जुगबती पोयाम, जिला पंचायत सदस्य भगवती नेताम, जनपद सदस्य रामलाल मरकाम, पन्ना लाल नेताम, सरपंच जगदीश मरकाम, सुकली बाई, धन्जू राम मरकाम, पीलाराम मरकाम, रामसिंह मरकाम, मानकूराम मरकाम, जिला शिक्षा अधिकारी भारती प्रधान सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

मलेरिया रोकथाम पर संवाद से ही होंगे बेहतर हालात: कलेक्टर संबित

बीजापुर । कलेक्टर संबित मिश्रा के दिशा-निर्देश एवं जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे के मार्गदर्शन में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी.आर. पुजारी तथा जिला कार्यक्रम प्रबंधक विनोद कुमार साहू के नेतृत्व में जिला समन्वयक अशोक पाण्डेय एवं बीजादूतीर स्वयंसेवक मलेरिया मुक्त बीजापुर अभियान को सफल बनाने में जुटे हुए हैं। बीजापुर जिला मलेरिया से सर्वाधिक प्रभावित जिलों में से एक है। मलेरिया की रोकथाम को लेकर कलेक्टर संबित मिश्रा ने व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर देते हुए लोगों में व्यवहार परिवर्तन एवं सामाजिक बदलाव लाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने मलेरिया नियंत्रण एवं उन्मूलन के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मलेरिया के मामलों में कमी लाना एवं आमजन को इसके बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना है। स्वास्थ्य विभाग के बीएमओ, मितानिन प्रशिक्षक, मितानिन

कार्यकर्ता एवं बीजादूतीर स्वयंसेवकों के समन्वय से जिले के लगभग 300 बीजादूतीर स्वयंसेवक मलेरिया की रोकथाम, लक्षण एवं उपचार संबंधी जानकारी जन-जन तक पहुँचा रहे हैं। मलेरिया से बचाव हेतु मच्छरदानी का उपयोग, घर-आसपास साफ-सफाई, गंदे पानी का जमाव न होने देना, पूरे ढके हुए कपड़े पहनना तथा बुखार या अन्य लक्षण होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराने के लिए लोगों को प्रेरित किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा निरंतर मलेरिया जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। बीजादूतीर स्वयंसेवकों द्वारा विकासखंड भैरमगढ़ के ग्राम पंचायत चिनगेर, पिनकोंडा, कोडोली तथा विकासखंड भोपालपटनम के ग्राम पंचायत तिमेड़, अटकुपल्ली एवं रामपेठा में मलेरिया जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त ब्लॉक की सभी ग्राम पंचायतों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यूनिसेफ द्वारा प्रदत्त पिको प्रोजेक्टर के माध्यम से महिला एवं पुरुषों को मानसिक स्वास्थ्य एवं मलेरिया के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही रात्रि चौपाल के दौरान सामुदायिक स्तर पर क्षेत्रीय भाषा में मलेरिया संबंधी वीडियो का प्रदर्शन किया गया। जिला प्रशासन को विश्वास है कि मितानिन एवं बीजादूतीर स्वयंसेवकों की इस पहल से मलेरिया मुक्त बीजापुर की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी। जिला प्रशासन आम नागरिकों से अपील करता है कि मलेरिया से बचाव के उपाय अपनाएँ और स्वस्थ बीजापुर के निर्माण में सहयोग करें।

पंचायत सचिव भर्ती प्रक्रिया में दावा-आपत्ति हेतु पात्र व अपात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी

सुकमा । कार्यालय जिला पंचायत सुकमा द्वारा पंचायत सचिव पद की भर्ती के संबंध में जारी शुद्धि पत्र के परिपालन में प्राप्त आवेदनों का चयन समिति द्वारा परीक्षण किया गया। परीक्षण उपरांत दावाङ्कआपत्ति के लिए पात्र एवं अपात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी की गई है।जिन अभ्यर्थियों को अपने विवरण में किसी भी प्रकार की आपत्ति हो, वे कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सुकमा में 08 जनवरी 2026 को सायं 5:30 बजे तक केवल स्पीड पोस्ट अथवा पंजीकृत डाक के माध्यम से अपना दावाङ्कआपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। स्पीड पोस्ट एवं पंजीकृत डाक के अतिरिक्त अन्य किसी भी माध्यम से प्राप्त दावाङ्कआपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी।दावाङ्कआपत्ति के अंतर्गत केवल लिपिकीय त्रुटि में सुधार किया जाएगा, किसी भी प्रकार के नवीन दस्तावेज स्वीकार नहीं किए जाएंगे।अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी कार्यालय जिला पंचायत सुकमा एवं जनपद पंचायत सुकमा, कोंटा एवं दिग्दढ़ के सूचना पटल का अवलोकन कर सकते हैं अथवा जिले की वेबसाइट पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।पंचायत सचिव भर्ती प्रक्रिया में दावाङ्कआपत्ति हेतु पात्र व अपात्र अभ्यर्थियों की सूची जारीसुकमा, 03 जनवरी 2026/ कार्यालय जिला पंचायत सुकमा द्वारा पंचायत सचिव पद की भर्ती के संबंध में जारी शुद्धि पत्र के परिपालन में प्राप्त आवेदनों का चयन समिति द्वारा परीक्षण किया गया। परीक्षण उपरांत दावाङ्कआपत्ति के लिए पात्र एवं अपात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी की गई है।जिन अभ्यर्थियों को अपने विवरण में किसी भी प्रकार की आपत्ति हो, वे कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सुकमा में 08 जनवरी 2026 को सायं 5:30 बजे तक केवल स्पीड पोस्ट अथवा पंजीकृत डाक के माध्यम से अपना दावाङ्कआपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। स्पीड पोस्ट एवं पंजीकृत डाक के अतिरिक्त अन्य किसी भी माध्यम से प्राप्त दावाङ्कआपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी।दावाङ्कआपत्ति के अंतर्गत केवल लिपिकीय त्रुटि में सुधार किया जाएगा, किसी भी प्रकार के नवीन दस्तावेज स्वीकार नहीं किए जाएंगे।अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी कार्याल जिला पंचायत सुकमा एवं जनपद पंचायत सुकमा, कोंटा एवं छिन्दगढ़ के सूचना पटल का अवलोकन कर सकते हैं अथवा जिले की वेबसाइट पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

राजभाषा संसदीय समिति के निरीक्षण में क्षेत्रीय पत्र सूचना कार्यालय, रायपुर को संतोषजनक कार्य का प्रमाणपत्र

रायपुर। राजभाषा हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन और निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य करने के लिए पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर को राजभाषा संसदीय समिति के निरीक्षण के उपरांत संतोषजनक कार्य करने का प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है। यह उपलब्धि पत्र सूचना कार्यालय द्वारा भारत सरकार की राजभाषा नीति के सफल क्रियान्वयन, हिंदी के व्यापक प्रयोग तथा सरकारी संचार को जनसामान्य के लिए अधिक सहज एवं प्रभावी बनाने के सतत प्रयासों का परिणाम है। राजभाषा संसदीय समिति द्वारा किए गए इस निरीक्षण के दौरान पत्र सूचना कार्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रयोग की समग्र समीक्षा की गई। समिति ने कार्यालयीन पत्राचार, प्रशासनिक एवं तकनीकी कार्यों, प्रेस विज्ञप्तियों, प्रकाशनों, डिजिटल एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हिंदी के प्रयोग, द्विभाषी व्यवस्था के अनुपालन तथा राजभाषा अधिनियम एवं नियमों के पालन की विस्तार से जांच की। निरीक्षण के उपरांत समिति ने यह

पाया कि पत्र सूचना कार्यालय द्वारा राजभाषा से संबंधित सभी निर्देशों का गंभीरता एवं प्रतिबद्धता के साथ पालन किया जा रहा है। इस अवसर पर रायपुर में आयोजित संसदीय राजभाषा दूसरी उपसमिति की समीक्षा बैठक में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की ओर से वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार आर. के. जेना तथा उप निदेशक तरुण कुमार उपस्थित रहे। पत्र सूचना कार्यालय, रायपुर की ओर से अपर महानिदेशक डॉ. संजय रॉय तथा उपनिदेशक रमेश जायभाये ने बैठक में सहभागिता की। पत्र सूचना कार्यालय मुख्यालय, नई दिल्ली की ओर से राजभाषा का कार्यभार संभाल रहीं उपनिदेशक रेखा रानी सूर्य बैठक में उपस्थित रहीं। अपर महानिदेशक डॉ. संजय रॉय ने बताया कि राजभाषा हिंदी केवल एक औपचारिक दायित्व नहीं, बल्कि जनसंचार का सशक्त माध्यम है। पत्र सूचना कार्यालय का प्रयास है कि केंद्र सरकार की योजनाओं, नीतियों और कार्यक्रमों से संबंधित सूचनाएं सरल, सहज और प्रभावी हिंदी में अधिकतम लोगों तक पहुंचें। उपनिदेशक रमेश जायभाये ने राजभाषा के प्रभावी उपयोग के लिए कार्यालय द्वारा किए जा रहे सतत प्रयासों एवं नवाचारों की जानकारी दी। संयुक्त सचिव आर. के. जेना ने पत्र सूचना कार्यालय द्वारा राजभाषा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि राजभाषा के सफल कार्यान्वयन में पीआईबी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और यह कार्यालय सरकारी संचार को जनोन्मुखी बनाने में प्रभावी योगदान दे रहा है। इस निरीक्षण से पूर्व राजभाषा संसदीय समिति को सौंपे जाने वाले अभिलेखों एवं रिपोर्ट तैयार करने में पत्र सूचना कार्यालय मुख्यालय, नई दिल्ली से प्रदीप कुमार, सहायक निदेशक, एवं राजीव कुमार कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। वहीं पत्र सूचना कार्यालय, रायपुर के कार्यालय से आशुलिपिक परमानंद साहू ने भी राजभाषा से संबंधित दस्तावेजों एवं रिपोर्ट तैयार करने में सहयोग प्रदान किया।

पिता की हत्या करने वाला पुत्र गिरफ्तार

राजनांदगांव।

जिले की डोंगरगांव पुलिस ने अपने पिता का हत्या करने वाले आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने जमीन जायदाद, पैसो के बटवारे व पुरानी बात को लेकर हाथ, मुक्का से मार कर हत्या कर दी थी। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक दिनांक 20.06.2025 को शेख बशीर पिता शेख बिसारत, उम्र 75 साल, निवासी ग्राम भटगुना, थाना डोंगरगांव जिला राजनांदगांव छ.ग.को दिनांक 19.06.25 को उसके बेटा शेख सलीम उम्र 26 साल के द्वारा मारपीट करने से घायल होने पर ईलाज हेतु परिजनों के द्वारा सीएचसी डोंगरगांव लाया गया था मुर्तजरर की बहु श्रीमति संजू खान से पुछताछ करने पर आरोपी शेख सलीम पिता शेख बशीर उम्र 26 साल साकिन भटगुना के द्वारा हाथ मुक्का से मारपीट करना बताने पर थाना डोगरगांव में अपराध क्रमांक 201/25 धारा- 296, 115(2),351(2) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया जिसकी जिसकी मृत्यु दिनांक 23.06.25 को होने से प्रकरण धारा 109(1), 103(1) बीएनएस जोडी गई। सूचना वरिष्ठ अधिकारी को दिया गया जिस पर पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा, अति पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन व पुलिस अनुविभागीय अधिकारी डोंगरगांव दिलीप सिसोदिया के दिशा-निर्देश में थाना प्रभारी डोंगरगांव निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर द्वारा थाना डोंगरगांव की टीम गठीत कर अपराध विवेचना एवं आरोपी पता साजी किया जा रहा था। दौरान विवेचना के आरोपी शेख सलीम पिता शेख बशीर उम्र 26 साल साकिन भटगुना, थाना डोंगरगांव, जिला राजनांदगाव (छग) से पुछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार कर बताया कि, दिनांक 19.06.25 को अपने अब्बू शेख बशीर को बोला कि जमीन जायदाद का पैसा बटवारा किसी को मत दो मेरा छोटा बच्चा है उसी के नाम से करेंगे। इसी बात पर विवाद झगड़ा हुआ और मारपीट केस में एक हफ्ता पहले ही जेल भिजवा दिया था इसी रंजीश वश आरोपी शेख सलीम द्वारा मृतक शेख बशीर को मरते दम तक हाथ मुक्के से मारपीट किया जिससे मृतक के चेहरे पर कई जगह फ्रैक्चर, श्वांस नली टूटना शरीर के अंदर ब्लीडिंग हुई और ईलाज दौरान मौत हो गई। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

सड़क दुर्घटना को रोकने के समाज के हर वर्ग को यातायात नियमों को अपनाना होगा अपनी जिम्मेदारी समझना होगा

समाज के हर वर्ग से यह अपील की गयी की जिस प्रकार कपडे पहनना अनिवार्य हैं इसी प्रकार सभी को वाहन चलाते समय हेलमेट / सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य हैं

रायपुर । दिनांक 03 जनवरी 2026 को माननीय न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अभय मनोहर सप्रे, अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी (पूर्व न्यायमूर्ति, सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया) की अध्यक्षता में लोक निर्माण विभाग के सभाकक्ष में आज दुर्ग संभाग की सड़क सुरक्षा समिति को लेकर समीक्षा बैठक ली गयी एवं सड़क सुरक्षा माह 2026 का शुभारंभ किया गया। बैठक में जिलों में सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए न्यायमूर्ति श्री सप्रे ने जनजागरूकता अभियान के माध्यम से दुर्घटनाओं में कमी लाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने वर्ष 2024 एवं 2025 की सड़क दुर्घटनाओं, मृत्यु एवं घायलों के आंकड़ों की तुलनात्मक समीक्षा करते हुए कहा कि दोनों वर्षों में स्थिति लगभग समान है, जो गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने प्रशासन को सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में और अधिक ठोस एवं प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। न्यायमूर्ति श्री सप्रे ने दुर्घटनाओं के कारणों का विश्लेषण कर संवेदनशील क्षेत्रों (ब्लैक स्पॉट्स) की पहचान करने तथा वहां शीघ्र सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 को लक्ष्य बनाकर 'जीरो विजन' के तहत कार्य किया जाए, जिससे सड़क दुर्घटनाओं, मृत्यु एवं घायलों की संख्या में उल्लेखनीय कमी लाई जा सके। सड़क सुरक्षा के लिए जनभागीदारी को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। सभी पेट्रोल पम्प संचालक को बिना हेलमेट पेट्रोल ना देने निर्देश दिये गये और इस कार्य को पुण्य एवं धर्म का कार्य समझ कर करने कहाँ गया। इसी प्रकार स्कूल एवं कॉलेज के सभी प्राचार्य को बिना हेलमेट एवं सीट बेल्ट के विधालय परिसर में प्रवेश ना देने निर्देश दिये गये साथ ऐसे बच्चों की सूची बना कर इन्हे समझाईश देना बताया गया। समाज के हर वर्ग से यह अपील की गयी की जिस प्रकार कपडे पहनना अनिवार्य हैं इसी प्रकार सभी को वाहन चलाते समय हेलमेट / सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य हैं। संतुलित गति से वाहन चलाने, हेलमेट एवं सीटबेल्ट के उपयोग, यातायात संकेतों के पालन तथा शराब पीकर वाहन न चलाने के विषय में व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। न्यायमूर्ति श्री सप्रे ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु का प्रमुख कारण हेलमेट और सीटबेल्ट का उपयोग न करना है। ऐसे में बिना हेलमेट एवं बिना सीटबेल्ट वाहन चलाने वालों तथा शराब के नशे में वाहन चलाने वालों के विरुद्ध कड़ी चालानी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जिले के सभी वाहनों के बीमा, फिटनेस एवं वाहन चालकों के लाइसेंस की नियमित जांच के निर्देश दिए। सडक सुरक्षा माह के शुभआरंभ के दौरान दुर्ग पुलिस द्वारा आज दिनांक को दुर्ग / भिलाई शहर में हेलमेट जागरूता रैली का आयोजन किया गया आज के इस हेलमेट रैली को माननीय न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट ऑनरोड सेफ्टी द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया जो दुर्ग पटेल चौक से होते हुए पीडब्ल्यूडी कार्यालय दुर्ग, बस स्टैंड, राजेन्द्र पार्क चौक, मालवीय नगर चौक, वाय शेप ओवर ब्रिज, सेक्टर 09, सेक्टर 06 होते हुवे नेहरू नगर अंडर ब्रिज से यातायात कार्यालय गुरुद्वारा तिराहा में समाप्त हुआ। आज का इस हेलमेट रैली में यातायात पुलिस दुर्ग के साथ समाजिक संस्था के सदस्य एवं एनसीसी/एनएसएस के कैडट्र्स के कुल-200 के सदस्य भी हेलमेट धारण कर रैली का हिस्सा बने, इस हेलमेट रैली के आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगो को दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट की उपयोगिता बताना था। बैठक में अंतर्विभागीय लीड एजेंसी (सड़क सुरक्षा) के अध्यक्ष संजय शर्मा ने जिले के सड़क सुरक्षा परिदृश्य, दुर्घटनाओं के कारण, नियंत्रण उपाय, प्रवर्तन, इंजीनियरिंग, शिक्षा एवं आकस्मिक उपचार से संबंधित भावी कार्ययोजना की जानकारी

छत्तीसगढ़ की प्रमुख नृत्य एवं लोक कला, संस्कृति पर केंद्रित फोटो प्रदर्शनी

जगदलपुर/बस्तर।

आईजी बस्तर ने शौर्य भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बस्तर संभाग में हाल ही में हुई निर्णायक नक्सल विरोधी कार्रवाई की जानकारी साझा की। आईजी के अनुसार, सुकमा और बीजापुर जिलों में अलग-अलग मुठभेड़ों में कुल 14 नक्सली ढेर किए गए हैं। सुकमा में 12 और बीजापुर में 2 नक्सली मारे गए।

सुकमा मुठभेड़ में बड़ी सफलता:

सुकमा जिले में हुई मुठभेड़ में शहीद एएसपी आकाश राव गिरपूंजे हत्याकांड का मास्टरमाइंड, कुख्यात नक्सली मंगडू भी मारा गया। इसे नक्सली नेटवर्क के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ स्थलों से AK-47, INSAS और SLR राइफलें बरामद की हैं। सुकमा और बीजापुर के दक्षिणी इलाकों में सशस्त्र नक्सलियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद डीआरजी समेत सुरक्षा बलों की संयुक्त टीमें सर्च ऑपरेशन पर भेजी गई थीं। बीजापुर में सुबह लगभग 5 बजे से मुठभेड़ जारी रही, जबकि सुकमा में फायरिंग सुबह 8 बजे शुरू हुई। अब तक मुठभेड़ स्थलों से कुल 14 नक्सलियों के शव बरामद किए जा चुके हैं। आईजी बस्तर ने कहा कि ऑपरेशन पूरी तरह समाप्त होने के बाद इस कार्रवाई की विस्तृत जानकारी अलग से साझा की जाएगी।

उपस्थिति और रणनीति:

प्रेस कॉन्फ्रेंस में आईजी बस्तर रेंज, बस्तर एसपी, अपर पुलिस अधीक्षक और नारायणपुर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा, सुकमा, कांकेर और बीजापुर जिलों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। वरिष्ठ अधिकारियों ने वर्ष 2025 में हुए नक्सल विरोधी अभियानों, कानून-व्यवस्था की स्थिति और वर्ष 2026 की रणनीति पर भी जानकारी दी।

पुष्प वाटिका मैरिज गार्डन को नगर निगम ने किया सीलबंद

रायपुर । रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप के आदेशानुसार और उपायुक्त राजस्व श्रीमती जागृति साहू और जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल के निर्देशानुसार एवं जोन 8 सहायक राजस्व अधिकारी महादेव रक्सेल के नेतृत्व और राजस्व निरीक्षक राजेश मिश्रा, सहायक राजस्व निरीक्षक सर्वखगेंद्र सोनी, राम कुमार अवसर, चंदन रगड़े की उपस्थिति में नगर पालिक निगम जोन 8 की राजस्व विभाग टीम द्वारा जोन 8 अंतर्गत संत रविदास वार्ड क्रमांक 70 और वीर सावरकर नगर वार्ड कमांक 1 अंतर्गत 7 बडे बकायादारो द्वारा विगत कई वर्षों से बकाया राशि नगर निगम द्वारा डिमांड बिल डिमांड नोटिस एवं अंतिम नोटिस जारी करने के उपरांत भी नगर निगम जोन 8 राजस्व विभाग को बकाया राशि अदा नहीं करने पर अभियान चलाकर संबंधित बड़े बकायादारो के 7 व्यवसायिक परिसरो को तत्काल ताला लगाकर सीलबंद करने की कडी कार्यवाही की गई है।

जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल एवं सहायक राजस्व अधिकारी महादेव रक्सेल ने बताया कि रायपुर नगर पालिक निगम जोन 8 राजस्व विभाग द्वारा आज संत रविदास वार्ड क्रमांक 70 अंतर्गत रायपुरा में पुष्प वाटिका मैरिज गार्डन के 45 लाख 99 हजार 952 रूपये के बकायादार सत्येन्द्र बिसेन इंद्रजीत बिसेन, जोन अंतर्गत वीर सावरकर नगर वार्ड कमांक 1 अंतर्गत 523112 रू. के बकायेदार प्रितम सिंग, 223160 रू. के बकायेदार अशोक कुमार, विजय कुमार, विनोद कुमार नवानी, 446911 रू. के बकायेदार हरवंश सिंग, महेन्द्र सिंग, सुरजीत कौर वगैरह, 1817223 रू. के बकायेदार राहुल धारीवाल, रू. 139493 के बकायेदार आदिल खान, 1010705 रू. के बकायेदार देवीलाल शर्मा के संबंधित व्यवसायिक परिसर में तत्काल ताला लगाकर सीलबंदी की कार्यवाही बकायाराशि नगर निगम को अदा नहीं करने पर की गई है। इन बडे 7 बकायेदारों पर नगर निगम रायपुर जोन 8 राजस्व विभाग का 71 लाख 1056 रू. बकाया शेष है। शेष बकाया राशि नियमानुसार वसूलने नगर निगम जोन 8 राजस्व विभाग द्वारा अभियानपूर्वक ताला लगाकर सीलबंदी की कार्यवाही की गई है।

15 जनवरी को सेना दिवस पर रायपुर लोकसभा क्षेत्र में होगा ऐतिहासिक 'सामूहिक वन्देमातरम' का आयोजन

वन्देमातरम की 150वीं वर्षगांठ पर 5 लाख विद्यार्थी एक साथ गायेंगे राष्ट्रीय गीत

वन्देमातरम की 150वीं वर्षगांठ पर देशभक्ति का महाकुंभ, सुभाष स्टेडियम में 25 हजार छात्रों का एक साथ गान

रायपुर। 15 जनवरी को सेना दिवस के पावन अवसर पर रायपुर लोकसभा क्षेत्र में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का अभूतपूर्व दृश्य देखने को मिलेगा। वन्देमातरम गीत की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में रायपुर एवं बलौदा बाजार-भाटापारा जिले के सभी शासकीय एवं निजी शिक्षण संस्थानों में एक साथ सामूहिक वन्देमातरम गान का ऐतिहासिक आयोजन किया जाएगा। इस भव्य आयोजन की तैयारियों को लेकर रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने आज संबंधित विभागों, शिक्षा संस्थानों एवं संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बताया कि रायपुर और बलौदा बाजार-भाटापारा क्षेत्र के लगभग 3000 स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में यह आयोजन होगा, जिसमें करीब 5 लाख विद्यार्थी सहभागिता करेंगे। राजधानी रायपुर के सुभाष स्टेडियम में मुख्य कार्यक्रम आयोजित होगा, जहां 25,000 विद्यार्थी एक साथ वन्देमातरम का सामूहिक गान करेंगे। जिनके ऊपर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में एनसीसी, एनएसएस, रेडक्रॉस तथा स्काउट्स एंड गाइड्स के कैडेट्स की भी सक्रिय सहभागिता रहेगी। सभी शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थी सुबह 11 बजे एकत्रित होंगे। पहले प्रस्तावना का वाचन होगा और ठीक 12:55 बजे पूरे क्षेत्र में एक साथ वन्देमातरम गान आरंभ होगा। इसके पूर्व 11:30 से 12:30 बजे तक देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। सांसद श्री अग्रवाल ने कहा कि महान साहित्यकार एवं राष्ट्रभक्त कवि बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा 7 नवंबर 1875 को रचित वन्देमातरम गीत ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में जन-जन के भीतर राष्ट्रभक्ति की चेतना जगाने का कार्य किया। उसकी 150वीं वर्षगांठ और सेना दिवस जैसे गौरवपूर्ण अवसर पर यह आयोजन आज की पीढ़ी के मन में समर्पण, अनुशासन और देशभक्ति की भावना को और सुदृढ़ करेगा। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम केवल एक गीत का सामूहिक गायन नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध, सेना के सम्मान और भारत माता के प्रति अटूट श्रद्धा से जोड़ने का एक ऐतिहासिक प्रयास है। बैठक में जिला पंचायत सीईओ कुमार विश्वरंजन, निजी विश्वविद्यालय आयोग के अध्यक्ष वी के गोयल, पंडित रविशंकर विवि के कुलसचिव एस के पटेल, कुलसचिव तकनीकी विवि के कुलसचिव दिनेश सिन्हा, आयुष विवि के कुलसचिव, एडिशनल डायरेक्टर एविएशन सूरज कुमार साहू, डिप्टी डायरेक्टर हेल्थ ए एस कन्नौजे, एडिशनल कमिश्नर नगर निगम मनोज पांडेय,

एनसीसी से स्क्वाड्रन लीडर एम जोरार, जिला स्कूल शिक्षा विभाग के सहायक संचालक एम मिंज, एनटीपीसी के डीजीएम कम्युनिकेशन सहदेव सेठी, डॉ लुकेश्वर सिंह गजपाल, प्रोग्राम कोआर्डिनेशन एनएसएस रायपुर, मृत्युंजय शुक्ला सचिव स्काउट्स एंड गाइड्स , प्रवेश जोशी जिला खेल अधिकारी, श्रीकांत चितले कृषि विवि, लक्ष्मी सिंह जवाहर नवोदय विद्यालय माना उपस्थित रहे। सभी शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थी सुबह 11 बजे एकत्रित होंगे। पहले प्रस्तावना का वाचन होगा और ठीक 12:55 बजे पूरे क्षेत्र में एक साथ वन्देमातरम गान आरंभ होगा। इसके पूर्व 11:30 से 12:30 बजे तक देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

झीरम हमले के बाद कांग्रेस के लोग अपने ही नेताओं पर संदेह कर रहे हैं - भाजपा

रायपुर । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता उज्ज्वल दीपक ने कांग्रेस नेता विकास तिवारी के पार्टी से निष्कासन को 'सच बोलने की सजा' बताया है। श्री दीपक ने कहा कि कांग्रेस दूसरों पर कीचड़ उछालने की राजनीति तो खूब करती है, लेकिन अपने कीचड़ सने हाथों की सफाई की नसीहत कांग्रेस को कितनी नागवार गुजरी, यह तिवारी के कांग्रेस से निष्कासन से पूरे प्रदेश को पता चल गया। लोकतंत्र की हत्या होने की बात करने वाली कांग्रेस पार्टी में खुद आंतरिक लोकतंत्र की कमी है और किसी भी कार्यकर्ता द्वारा प्रश्न उठाना कांग्रेस पार्टी को स्वीकार नहीं है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री दीपक ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का नार्को टेस्ट कराने का शोर मचाते कांग्रेस नेताओं को अपना नार्को टेस्ट कराने में इतनी बेचैनी क्यों हो रही है।

विभागीय मंत्री वित्त ओपी चौधरी ने छत्तीसगढ़ प्रदेश कोषालय शासकीय कर्मचारी संघ के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया

दैनिक लोकशक्ति,रायपुर। विभागीय वित्त मंत्री ने कोषालय कर्मचारी संघ के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया रायपुर-- छत्तीसगढ़ प्रदेश कोषालय शासकीय कर्मचारी संघ के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन विभाग के वित्त मंत्री माननीय ओ.पी. चौधरी के हाथों किया गया ।। छत्तीसगढ़ प्रदेश कोषालय शासकीय कर्मचारी संघ के प्रांतअध्यक्ष डॉ.जितेंद्र सिंह ठाकुर एवं प्रांतीय महामंत्री दीपक देवांगन ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष 2026 में भी संगठन द्वारा प्रदेश के सभी जिला कोषालय अधिकारी के नाम एवं मोबाइल नंबर , पांचो संभाग के संभागीय संयुक्त संचालक के नाम एवं मोबाइल नंबर तथा वित्त विभाग के अति आवश्यक दूरभाष नंबर सहित आकस्मिक अवकाश, एच्छिक अवकाश तथा

संगठन की उपलब्धि एवं संगठन द्वारा कर्मचारी हित में किये जा रहे हैं प्रयास का उल्लेख करते हुए कर्मचारी हित में वार्षिक कैलेंडर का प्रकाशन कराया गया है।। सभी जिलों के कोषालय अधिकारी के मोबाइल नंबर कैलेंडर में प्रकाशित होने से ट्रेजरी से संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु प्रदेश के कर्मचारी, अधिकारी एवं पेंशनर्स घर बैठे मोबाइल के माध्यम से ट्रेजरी अधिकारी से बात कर अपनी समस्या का निराकरण कर सकते हैं।? कैलेंडर विमोचन में प्रमुख रूप से प्रातअध्यक्ष डॉ. जितेंद्र सिंह ठाकुर , प्रांतीय महामंत्री दीपक देवांगन , संरक्षक चमन प्रकाश साहू, प्रांतीय कोषाध्यक्ष रामाधार साहू , वरिष्ठ सदस्य प्रकाश ठाकुर चतुर्थ श्रेणी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मधुकर सिंह, बादल बंजारे उपस्थित थे।

चाकूबाजी मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

रायपुर । शराब पीने हेतु पैसे नहीं देने पर चाकू से वारकर चोट पहुंचाने वाला फरार आरोपी तोरण चन्द्राकर को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी सागर निषाद ने थाना धरसींवा में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह दिनांक 26.11.2025 को लगभग 12 बजे अपने दोस्तों के साथ ग्राम धनेली स्थित शीतला तालाब नहाने के लिए गया था। उसी समय तोरण चंद्राकर व देवेन्द्र एक्टिवा वाहन में आकर प्रार्थी से शराब पीने हेतु पैसे की मांग किये, उसके द्वारा पैसा नहीं है बोलने पर दोनो प्रार्थी को अश्लील गाली गलौच कर हाथ मुक्का एवं अपने पास रखें किसी नुकीली वस्तु से मारकर चोट पहुंचाये तथा जान से मारने की धमकी देकर भाग गये, कि प्रार्थी की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध थाना धरसींवा में धारा 119(1), 296, 115(2), 351(2), 3(5), 118(1) बी.एन.एस. तथा 25, 27 आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध किया गया। मामले में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में चौकी प्रभारी सिलतरा (थाना धरसींवा) के नेतृत्व में चौकी सिलतरा पुलिस की टीम द्वारा घटना के संबंध में प्रार्थी से विस्तृत पूछताछ कर आरोपियों की पतासाजी करते हुये पूर्व में आरोपी देवेन्द्र को गिरफ्तार कर कार्यवाही किया गया था।

शिक्षा के मंदिर निर्माण में देरी बर्दाश्त नहीं - राजेश मूणत

रायपुर। विकास के पर्याय माने जाने वाले रायपुर पश्चिम के विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत इन दिनों जनहित के कार्यों को गति देने के लिए सड़कों पर हैं। आज सुबह ठीक 8:00 बजे, मूणत नगर निगम और लोक निर्माण विभाग पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के दल के साथ कोटा स्थित राम दरबार के पीछे निर्माणाधीन शासकीय नवीन महाविद्यालय के निरीक्षण पर पहुंचे।

धरातल पर सुस्त रफ्तार देख जताई नाराजगी:

लगभग 4 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से 4786 वर्ग मीटर में बन रहे इस भव्य कॉलेज भवन के निरीक्षण के दौरान मूणत ने कार्य की धीमी गति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने दो टूक शब्दों में अधिकारियों से कहा कि जिस उत्साह के साथ पिछले वर्ष इसका भूमि पूजन हुआ था, उस तुलना में निर्माण की प्रगति संतोषजनक नहीं है। उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को 'वर्क प्लान' तैयार करने और मानव संसाधन लेबर फोर्स बढ़ाने के निर्देश दिए ताकि यह

प्रोजेक्ट समय सीमा के भीतर पूरा हो सके।

शिक्षा सत्र 2026 का लक्ष्य: मूणत ने कहा कि वर्तमान में महाविद्यालय के लगभग 500 छात्र संस्कृत कॉलेज के भवन में अध्ययन करने को मजबूर हैं। हमारा लक्ष्य है कि अगस्त 2026 तक यह भवन पूर्णतः तैयार हो जाए, ताकि नए शिक्षा सत्र में रामनगर, गुढ़ियारी और कोटा क्षेत्र के बच्चों को भटकना न पड़े। इस नवीन भवन में विज्ञान, कला और वाणिज्य संकाय की स्नातक कक्षाओं के साथ-साथ अत्याधुनिक फि जिक्स, केमिस्ट्री, कंप्यूटर और जियोलॉजी लैब, विशाल लाइब्रेरी और भव्य हॉल की सुविधा मिलेगी।

2018 का सपना, 2026 में होगा साकार:

उल्लेखनीय है कि इस महाविद्यालय की नींव मूणत ने ही वर्ष 2018 में रखी थी। बीच के वर्षों में विकास की गति थमने के बाद, उन्होंने पुनः विधायक बनते ही वर्ष 2024-25 के बजट में इस भवन हेतु विशेष प्रावधान करवाया। यह कॉलेज न केवल एक इमारत है, बल्कि क्षेत्र के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य का केंद्र है।

विधायक राजेश मूणत का ब्यान:

विकास मेरी राजनीति का आधार नहीं, मेरा संकल्प है। मैं केवल पत्थर लगाने में विश्वास नहीं रखता, बल्कि उस कार्य को पूर्ण कर जनता को सौंपने में विश्वास करता हूँ। रायपुर पश्चिम के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधुनिक सुविधाएं देना मेरी प्राथमिकता है। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश है–कार्य की गति बढ़ाएं, गुणवत्ता बनाए रखें और 2026 के सत्र से पहले कॉलेज हैंडओवर करें। जनता की सेवा के लिए मैं हर सुबह 8 बजे सड़कों पर हूँ और यह अभियान अनवरत जारी रहेगा।

कल सरोना और रायपुरा में चल रहे कार्यों का करेंगे निरीक्षण ':

विधायक मूणत का यह सघन निरीक्षण अभियान कल भी जारी रहेगा। कल सुबह 8:00 बजे से वे नगर निगम के अधिकारियों के साथ सरोना और रायपुरा क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का जायजा लेंगे।

छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान को बड़ी सफलता: मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा - बस्तर में शांति, विश्वास और विकास का स्थायी सूर्योदय सुनिश्चित

रायपुर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि विश्वास, विकास और सुरक्षा ही बस्तर की नई दिशा है, जहाँ अब हिंसा नहीं, शांति ही एकमात्र विकल्प बन चुकी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बस्तर रेंज के बीजापुर और सुकमा जिलों में सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए नक्सल विरोधी अभियान में निर्णायक सफलता प्राप्त हुई है, जिसमें 14 माओवादियों को न्यूट्रलाइज़ किया गया है।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सुरक्षा बलों की सटीक रणनीति, सतत दबाव और मजबूत जमीनी पकड़ के कारण माओवादी नेटवर्क तेजी से कमजोर हो रहा है। उन्होंने कहा कि बस्तर अब विकास, निवेश, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के नए अवसरों के साथ आगे बढ़ रहा है। यह परिवर्तन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन, केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व, सुरक्षा बलों की अदम्य वीरता एवं प्रतिबद्धता, संवेदनशील पुनर्वास नीति तथा बस्तर की जनता के अटूट विश्वास का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा बलों के शौर्य को नमन करते हुए अभियान में शामिल सभी जवानों को बधाई दी।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जो लोग अब भी हिंसा का रास्ता चुन रहे हैं, वे आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा से जुड़ें, सरकार की पुनर्वास नीति का लाभ उठाएँ और सम्मानपूर्वक जीवनयापन करें अन्यथा राज्य शासन और सुरक्षा बल कानून एवं संविधान के अनुरूप ।

कापी राइट मामले में रायल्टी नहीं मिलने पर ईपीएल कंपनी ने होटल संचालक पर ठोका मुकदमा

रायपुर। प्रेसक्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में पीपीएल कंपनी (फोनोग्राफिक्स परफार्मेंस लिमिटेड कंपनी) के अधिवक्ता आशुतोष शुक्ला ने बताया कि उनकी कंपनी द्वारा पंजीकृत कार्यालय क्रिसेंट टॉवर्स सातवीं मंजिल बी-68, वीरा इस्टेट ऑफ न्यू लिंग रोड अंधेरी रोड मुंबई की ओर से गीत संगीत के कापी राइट के उल्लंघन के मामले को लेकर रायपुर के एक होटल संचालक सहित देशभर के होटल संचालकों के खिलाफ कापी राइट एक्ट का उल्लंघन करने एवं रायल्टी नहीं मिलने के मामले को लेकर बाम्बे हाईकोर्ट में दायर याचिका पर न्यायाधीशों ने कंपनी के पक्ष में फैसला दिया है। बावजूद इसके विभिन्न संस्थाओं द्वारा मामले का उल्लंघन कर अदालत के आदेश की अवमानना की जा रही है। उन्हेंने बताया कि पीपीएल कंपनी 400 से अधिक संगीत संस्थानों द्वारा सार्वजनिक प्रदर्शन का स्वामीत्व रखती है जिसमें मुख्यतः टीसीरीज, सोनी म्यूजिक, यूनिवर्सल म्यूजिक, वीनस, स्पीड रिकार्ड एवं आदित्य म्यूजिक शामिल है। इनके अलावा गैर फिल्मी ध्वनि रिकार्डिंग में अनेक भाषाओं जैसे अंग्रेजी, तेलगु, मराठी, गुजराती और अन्य भारतीय ईडीएम, हीप हाप, पॉप, रॉक म्यूजिक एवं परंपरागत शास्त्रीय संगीत की शैलियों में लय बद्ध गीतों का अधिकार भी कंपनी के पास सुरक्षित है। इसके बाद भी रायल्टी की चोरी करना शुक्ला के अनुसार कंपनी के विधिक अधिकारों का हनन है।

संपादकीय

पाकिस्तान बांग्लादेश में हावी कट्टरपंथ खतरा

पाकिस्तान बंगलादेश में हिन्दुओं के साथ अत्याचार व भारत विरोधी कृत्यों का एक कारण है कट्टरपंथ। क्योंकि बांग्लादेश से बिगड़े रिश्तों के कारण वहां से सैलानी कम आए और पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद बने युद्ध के माहौल के बीच बहुत-से पर्यटकों ने अपना कार्यक्रम रद्द कर दिया। अनुमान लगाया जा सकता है कि साल के आखिर में इंडिगो एयरलाइन्स के संकट ने इसमें और योगदान किया होगा। आंकड़ों के मुताबिक विदेशों में भारत को विज्ञापन करने में पर्यटन मंत्रालय का रुख लचर हो गया है। पिछले दशक के किसी वर्ष में वह बजट में मिली पूरी रकम को खर्च नहीं कर पाया। इन सबका परिणाम इस कारोबार से जुड़े लोग भुगत रहे हैं। पर्यटन ऐसा कारोबार है, जिससे बिना जोखिम उठाए विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है ।

देश के दर्जनों शहरों में हवा जहरीली

हरिशंकर व्यास

एक समय जो नैरेटिव मेनस्ट्रीम मीडिया का सबसे प्रिय विषय होता था वह समय के साथ या सरकार बदलते ही कैसे गायब हो जाता है इसकी मिसाल सिर्फ रुपए की गिरती कीमत का मामला नहीं है, बल्कि प्रदूषण का मामला भी है। जब बराक ओबामा और डोनाल्ड ट्रंप सर्दियों में दिल्ली आए थे तब मीडिया ने हिसाब लगाया था कि राजधानी दिल्ली के प्रदूषण से अमेरिकी राष्ट्रपतियों के जीवन के कितने घंटे कम हो गए। यह हिसाब भी लगाया गया कि दिल्ली के वायु प्रदूषण के कारण यहां रहने वाले लोगों का जीवन औसतन कितने साल कम हो जा रहा है। जिस समय यह हिसाब लगाया गया उस समय दिल्ली में भाजपा की सरकार नहीं थी। अब दिल्ली में भाजपा की सरकार है और वायु प्रदूषण लगातार 'बेहद खराब' या 'गंभीर' श्रेणी में है। वायु प्रदूषण के आंकड़े को यानी एयर क्वालिटी इंडेक्स, एक्यूआई को इन दो श्रेणियों में रखने के लिए कितनी तरह के तिकड़म किए जा रहे हैं वह सबको पता है। फिर भी किसी को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। जिस समय रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन नई दिल्ली पहुंचे उस समय भी सरकारी आंकड़े के मुताबिक दिल्ली की हवा 'बेहद खराब' श्रेणी में थी। यानी एक्यूआई तीन सौ से ऊपर था। लेकिन किसी ने हिसाब नहीं लगाया कि ऐसी हवा में सांस लेने से पुतिन और उनके साथ आए मंत्रियों की उम्र कितने घंटे कम हो जाएगी। लेकिन ऐसा नहीं है कि रूस या दुनिया के दूसरे देशों के लोग दिल्ली की वहा की गुणवत्ता को नहीं देख रहे हैं या नहीं महसूस कर रहे हैं। सारी दुनिया देख रही है कि भारत में वायु प्रदूषण महामारी बन गया है और सरकारें आंकड़ों के प्रबंधन में लगी हैं। सरकारें समय काट रही हैं कि किसी तरह से सर्दियां बीत जाए तो प्रदूषण पर से लोगों का ध्यान हट जाएगा। भारत में गरीबी, अशिक्षा, पिछड़ापन स्थायी है और बाकी हर समस्या ऐसे ही सीजनल है। प्रदूषण, हीटवेब, बाढ़ आदि अलग अलग मौसम में महामारी की तरह आते हैं और चले जाते हैं। लोगों के साथ साथ सरकारें भी भूल जाती हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक दिवाली के बाद से अकेले नोएडा में दो लाख से ज्यादा सांस के मरीज अस्पतालों में भर्ती हुए हैं। दिल्ली और पूरे एनसीआर में यही स्थिति है। सर्दियां आते ही प्रदूषण बढ़ता है और अस्पतालों में सांस के मरीज बढ़ने लगते हैं। ध्यान रहे प्रदूषण कोई ऐसी समस्या नहीं है, जिसे ठीक नहीं किया जा सकता है। बीजिंग ने दुनिया को दिखाया है। एक दशक पहले बीजिंग वायु प्रदूषण की वैश्विक राजधानी था। लेकिन राष्ट्रीय सरकार, स्थानीय प्राधिकरण की इच्छाशक्ति और आम लोगों के सहयोग से उसने प्रदूषण को समाप्त कर दिया। पिछली सदी के लंदन ने पूरी दुनिया को इसका रास्ता दिखाया था। औद्योगिक क्रांति के बाद से लंदन कई तरह के प्रदूषण की चपेट में था लेकिन उसने हवा और पानी पूरी तरह से स्वच्छ कर दिए। भारत में सिर्फ राजधानी दिल्ली नहीं है, बल्कि देश के दर्जनों शहरों में हवा जहरीली हो गई है। दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची बनती है तो शीर्ष 10 देशों में हर समय पांच या उससे ज्यादा शहर भारत के होते हैं।

और ऐसा भी नहीं है कि भारत में कोई औद्योगिक क्रांति हो रही है। विनिर्माण की ज्यादातर इकाइयां तो बंद हैं। सब कुछ आयात होता है। फिर भी वायु प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। एक रिपोर्ट आई है, जिसमें कहा गया है कि दिल्ली के पानी में यूरेनियम की मात्रा है, जिससे कैंसर जैसी घातक बीमारी हो रही है। एक साल में दिल्ली में कैंसर के 28 हजार नए मरीज मिले हैं। लेकिन सरकारें एक दूसरे पर आरोप लगा रही हैं किसके शासन वाले राज्य में किसान ज्यादा पराली जला रहे हैं। जबकि यह आंकड़ा सामने आ गया है कि पराली जलाना नहीं, बल्कि ऑटोमोबाइल का धुआं दिल्ली की प्रदूषण का मुख्य कारण है। लेकिन जीएसटी व पेट्रोल, डीजल पर लगने वाले टैक्स के लालच में और ऑटोमोबाइल सेक्टर के दबाव में कोई भी सरकार गाड़ियों की बिक्री को नियंत्रित नहीं करती है।

यह निजी विचार है।

उम्मीद-ए-सहर की बात सुनो!

अजीत द्विवेदी

नई सुबह और नई उम्मीदों के साथ नए साल का स्वागत है। बीता हुआ साल अच्छा नहीं था। अप्रैल में पहलगाम में बड़ा आतंकवादी हमला हुआ था, जिसमें देश के अलग अलग हिस्सों के 25 बेकसूर सैलानियों और एक स्थानीय कश्मीर व्यक्ति की हत्या कर दी गई थी। उसके बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई में 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए छह और सात मई की दरम्यानी रात को आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया लेकिन दुर्भाग्य से यह ऑपरेशन पाकिस्तान के साथ सीमित युद्ध में बदल गया।

पहले के बालाकोट या उरी स्ट्राइक से उलट पाकिस्तान ने जवाबी हमला कर दिया। इसका अंत 10 नवंबर को बिल्कुल अप्रत्याशित तरीके से हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीजफायर का ऐलान किया। उसके बाद से वे करीब एक सौ बार कह चुके हैं कि उन्होंने व्यापार बंद करने और टैरिफ बढ़ाने का दबाव डाल कर भारत और पाकिस्तान को सीजफायर के लिए तैयार कराया। इसके बाद साल के अंत में राजधानी दिल्ली में लाल किले के सामने कार बम धमाका हुआ, जिसमें एक दर्जन से ज्यादा लोग मारे गए। इन दो घटनाओं ने सरकार के बनाए सुरक्षा नैरेटिव को पूरी तरह से बदल दिया।

जुलाई का महीना एक अलग स्ट्राइक लेकर आया, जब राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका जाने वाले भारत के उत्पादों पर पर 25 फीसदी का टैरिफ लगाया और रूस से तेल खरीदने की सजा देते हुए 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ लगाया। इसके बाद से भारतीय मुद्रा यानी रुपए में गिरावट का ऐसा सिलसिला चला है कि एक डॉलर 90 रुपए से ज्यादा का हो गया है। भारत के पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में पूरी तरह से भारत विरोधी माहौल बन गया है, जिसका फायदा पाकिस्तान और चीन दोनों उठा रही हैं। शेख हसीना के तख्तापलट और उनके भारत आने के बाद से हिंदुओं पर हो रहे हमलों में पिछले साल अचानक तेजी आई।

हिंदुओं पर हमले की दर्जनों घटनाएं हुई हैं और दिसंबर 2025 के आखिरी 15 दिन में तीन हत्याएं हुईं। वहां हालात 1971 जैसे बन रहे हैं और उसी तरह शरणार्थियों के भारत की सीमा पर जमा होने की आशंका बन गई है। नेपाल में भी सत्ता परिवर्तन हुआ और केपी शर्मा ओली का तख्तापलट करा कर जेन जी ने सुशीला कार्की को सत्ता सौंपी। एक तरह से पूरा साल भारत के लिए सामरिक नीति, कूटनीति और अर्थनीति तीनों में नैरेटिव गंवाने का रहा। दुनिया निश्चित रूप से दुविधा में रही कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में सचमुच क्या हुआ था? उधर पाकिस्तान ने दुनिया की तीनों महाशक्तियों अमेरिका, रूस और चीन का सद्भाव हासिल किया। उसके सेना प्रमुख का व्हाइट हाउस में स्वागत हुआ।

अगर घरेलू राजनीति की बात करें तो सरकार का विपक्ष के साथ टकराव बढ़ता गया है। 2024 में लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद भाजपा की जीत का जो सिलसिला हरियाणा, महाराष्ट्र में बना वह 2025 में दिल्ली और बिहार में जारी रहा। लेकिन लगातार जीत के बावजूद भाजपा का शीर्ष नेतृत्व लोकसभा में बहुमत गंवाने के बाद से सहज नहीं हो पाया है। मुख्य विपक्षी पार्टी ने 'वोट चोरी' को ऐसा मुद्दा बनाया है, जिससे देश की पूरी चुनाव प्रक्रिया संदेह के घेरे में आई है। दुर्भाग्य की बात है कि चुनाव आयोग लोगों का संशय दूर करने की बजाय विपक्ष के विरोधी की तरह बरताव कर रहा है। विपक्ष की दूसरी पार्टियां 'वोट चोरी' के मामले में भले कांग्रेस के साथ पूरी तरह से सहमत नहीं हैं लेकिन संसद में चुनाव सुधार पर चर्चा के दौरान सबने चुनाव आयोग के पक्षपात का मुद्दा बनाया। चुनाव प्रक्रिया पर बन रहा अविश्वास अंततः लोकतंत्र को कमजोर करेगा। मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर एक सही कदम है लेकिन इसे जिस तरह से जल्दबाजी में लागू किया गया उससे संदेह पैदा हुआ है। 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में हुई एसआईआर की प्रक्रिया में कई तरह की कमियां सामने आई हैं। भारत में राजनीति का विभाजन जितना गहरा हुआ है उसी अनुपात में समाज का विभाजन भी बढ़ा है। यह सामाजिक विभाजन लंबे समय में भारत की एकता और अखंडता को प्रभावित करने वाला होगा।

सो, नए साल में गालिब की तरह यह तो नहीं कह सकते हैं कि, 'एक बिरहमन ने कहा है कि ये साल अच्छा है', लेकिन फैज की तरह 'सहर की बात उम्मीद-ए-सहर की बात' यानी कर सकते हैं। उम्मीद कर सकते हैं कि सब कुछ ठीक होगा। भारत ने ब्रिटेन से लेकर न्यूजीलैंड कर सात देशों के साथ मुक्त व्यापार संधि की है और उम्मीद है कि नए साल में जनवरी या फरवरी में अमेरिका के साथ व्यापार संधि हो जाएगी। अमेरिका के साथ व्यापार संधि से बहुत कुछ बदलेगा। भारत का अलगाव समाप्त होगा। टैरिफ कम होगा, जिससे निर्यात बढ़ेगा और आर्थिकी पर दबाव कम होगा। यूरोपीय संघ के साथ भी भारत की व्यापार वार्ता अंतिम चरण में है। इससे भारत की आर्थिकी में एक ठहराव आने की उम्मीद है। अमेरिका के साथ व्यापार संधि होने के बाद कूटनीतिक मोर्चे पर भी भारत को निश्चित रूप से फायदा होगा। नेपाल में भी नए साल के शुरू में चुनाव होने वाले हैं। वहां भी राजनीतिक स्थिरता आती है तो भारत के लिए बेहतर होगा।

नए साल में फरवरी में बांग्लादेश में चुनाव होना वाले हैं। हालांकि शेख हसीना की आवामी लीग के चुनाव लड़ने पर पाबंदी है लेकिन बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी चुनाव लड़ रही है। बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री रहीं बेगम खालिदा जिया का निधन हो गया है लेकिन उससे ठीक पहले उनके बेटे तारिक रहमान अपने वतन लौट आए और चुनाव में अपनी पार्टी बीएनपी का नेतृत्व कर रहे हैं। जनरल इरशाद की जातीय पार्टी भी मुकाबले में है। जमात ए इस्लामी भी चुनाव लड़ रही है। सो, चुनाव लड़ रही लगभग सभी पार्टियों का रुख भारत विरोधी रहा है। फिर भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनी गई सरकार के साथ संवाद बहाल बेहतर होगा और उम्मीद कर सकते हैं कि हिंदुओं पर हमले रुकेंगे।

अंतरराष्ट्रीय और आर्थिक मोर्चे पर स्थिरता के बाद भी ऐसा लग रहा है कि नए साल में लेकिन घरेलू राजनीति का मैदान टकराव वाला बना रहेगा। अप्रैल और मई में पांच राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा के चुनाव हैं। पश्चिम बंगाल और असम का चुनाव बहुत ज्यादा कटुता बढ़ाने वाला होगा। भारत में चुनाव पिछले कुछ समय से जंग की तरह लड़े जा रहे हैं। इसमें इतनी कटुता पैदा होती है कि चुनाव के बाद भी वह समाप्त नहीं होती है। पहले पार्टियां और देश की जनता भी चुनाव के समय राजनीतिक टकराव के मोड में आती थी और चुनाव के बाद सब पहले जैसा सामान्य हो जाता था। लेकिन अब सालों भर राजनीति और समाज की खदबदाहट बनी रहती है। इससे सामाजिक विभाजन बढ़ता जा रहा है और टकराव की आशंका स्थायी रूप से बनी रहती है।

सरकार बीते साल को सुधारों का साल बता रही है क्योंकि उसमें श्रम कानूनों को बदला गया। भारत की परमाणु ऊर्जा नीति को बदला गया। रोजगार गारंटी की योजना बदली गई। सरकार ने 'एक देश, एक चुनाव' का बिल पेश किया, जिस पर संयुक्त संसदीय समिति में विचार हो रहा है तो जेल जाने वाले विधायकों, सांसदों को पद से हटाने का कानून भी लाया जा रहा है। इसके बिल पर भी संयुक्त संसदीय समिति विचार कर रही है। जो कानून बन गए हैं वो भी जो बिल लाए गए वो भी, सब टकराव बढ़ाने वाले हैं और विपक्ष इसके लिए कमर कस कर तैयार है। महात्मा गांधी नरेगा की जगह लाए गए विकसित भारत जी राम जी बिल पर तो जनवरी के पहले हफ्ते से ही कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन शुरू होने वाला है। सो, कह सकते हैं कि चुनाव और राजनीति के मोर्चे पर नए साल में टकराव बना रहेगा। **यह निजी विचार है।**

वेदों में आधुनिक साइंस की बातें

शंकर शरण

पिछले पचास वर्षों से देसी भारतीय नेताओं के पास केवल दलीय लड़ाई, गद्दी छीन-झपट की तिकड़में भर हैं। एक-दूसरे के प्रति द्वेष, झूठे-सच्चे आरोपों की पोटली है। उसी से लोगों को उकसाना और वोट-बटोरन मंसूबे ही उन की फुलटाइम चिन्ता दिखती हैज नेताओं का परनिंदक, शेखीबाज, और अतीतजीवी होना हिन्दू समाज की असमर्थता का संकेत है। एक तरफ आए दिन मैकॉले, कोलोनियलिज्म, आदि की निन्दा। दूसरी तरफ भारत विश्वगुरू था, वेदों में आधुनिक साइंस की बातें हैं, आदि। इस तरह की बातों का प्रचार, व्याख्यान, प्रकाशन देश में फैला हुआ है। दोनों प्रवृत्तियों में एक चीज समान है – पीछे देखना। जिस का मतलब सामने की चुनौतियों से कन्नी कटाना भी हो जाता है।

यह आधुनिक भारत का सामान्य दृश्य है। दोनों प्रवृत्तियाँ देसी नेताओं की देन हैं, जो अब राष्ट्रीय विशेषता सी बन गई है। आम हिन्दू नेता पीछे देखने वाले रहे हैं। अतीतजीवी हैं। प्रायः अप्रासंगिक, अतिरंजित बातें करते। किसी न किसी को कोसना, नीचा बताना, या डींग हाँकना। इस के लिए उदाहरण व या बहाने प्रायः सदियों, दशकों पहले के व्यक्तियों, घटनाओं, परिघटनाओं से लेना। अर्थात उन के पास भविष्य तो दूर, वर्तमान की भी दृष्टि नहीं है। ऊपर से आराम पसंद। कोसने, निन्दा करने में भी किसी वर्तमान दुष्ट या खतरनाक शत्रु पर चुप्पी। सुरक्षित निशाने चुननाः जैसे मैकॉले या नेहरू।

इसीलिए, उन्हें संसद में किसी वर्तमान समस्या, दुष्ट, या प्रत्यक्ष खतरे पर चर्चा करते नहीं पाया जाता। वे प्रायः किसी निरापद प्रतिद्वंद्वी नेता, दल, या किसी दिवंगत विदेशी को कोसते मिलते हैं।

इसी तरह, कोलोनियलिज्म को कोसना भी विचित्र है! हर साल हजारों युवा प्रतिभाओं के विदेश चले जाने, और प्रायः उधर ही बस जाने पर वे ध्यान तक नहीं देते। उन्हें योग्य और प्रतिभाशाली व्यक्तियों को देश में रखने, प्रोत्साहित करने की परवाह नहीं। उलटे ऐसे 'भारतवंशियों' पर गर्व करते हैं जो बाहर अमेरिकी कंपनियों में अच्छे पदों पर हैं। तब उन्हें ध्यान नहीं आता कि यह 'उपलब्धि' यहाँ मैकॉले नीति की देन है।

उपनिवेशवाद को कोसने वाले इस से अबोध लगते हैं कि अमेरिका, यूरोप, अरब जाकर रहने वाले लाखों भारतीय स्वेच्छा से विदेशी शासन में रहने जाते हैं! जहाँ वे बरसों, दशकों, या आजीवन बिना राजनीतिक अधिकार के दूसरे दर्जे के नागरिक जैसे रहते हैं। इसी पर भारतीय नेता गर्वित होते हैं! वरना, 'भारतवंशी' कर्मचारियों, शोधकर्ताओं, कारीगरों, आदि पर इतराना क्या है?

तब तो भारत में अंग्रेजी राज ही बेहतर था! जब विदेशी का शासन पसंद है, यदि अपनी सुरक्षा और उन्नति का मार्ग खुला हो – तब यह अंग्रेजी राज ने दिया ही था। बड़े-बड़े भारतीय महापुरुषों ने लिखा है कि सदियों बाद भारतीय जनगण को अंग्रेजी राज ने शान्ति, सुरक्षा, उन्नति दी। हिन्दुओं को ऊपर से सामाजिक, राजनीतिक समानता भी मिली जो उन्हें मुगल राज में नहीं थी।

परन्तु सब कुछ जोड़कर विवेकशील विचार करना – मानो देसी नेताओं की क्षमता से बाहर रहा है। वे रुटीन काम, दूसरों पर प्रतिक्रिया, और कठिन मुद्दों पर चुप रहते हैं। अपनी ओर से कोई रचनात्मक विचार या काम उन की चिन्ता नहीं रही है। सभी दलों के अधिकांश नेता ऐसे ही हैं। विचार-दुर्बल और पदलोलुप। चाहे पद राजकीय हो या दलीय।

संसद के सत्र खँगालें, या मीडिया हेडलाइनें जमा करें – दशकों से यही मिलेगा। पूरे परिदृश्य में क्रमशः गिरावट भी आती गई। देसी नेताओं द्वारा 1947 में सत्ता-ग्रहण बाद दो दशक तक स्थिति कुछ भिन्न थी। तब आर्थिक योजनाएं, विदेश नीति, अंतरराष्ट्रीय समस्याएं, आदि पर विचार में नेता लोग समय देते थे। इस का कारण ब्रिटिश राज की शिक्षा और परंपरा थी जिस के पास दृष्टि थी। जिस के अनुकरण और प्रतिद्वंद्विता में ही हमारे वे नेता बने जिन्होंने अंग्रेजों के बाद देसी राज शुरू किया। अतः 1960 के दशक के अंत तक संसदीय विमर्श में जो विविधता और गंभीरता थी भी, उस का श्रेय ब्रिटिश शिक्षण-संसर्ग को है जो हमारे नेताओं को यहाँ से लेकर इंग्लैंड तक मिलता रहा था। उदारवाद, संविधानवाद, स्थानीय प्रशासन, लोकतंत्र, वोट, समाजवाद तथा स्कूल से विश्वविद्यालय तक की संपूर्ण शिक्षा और अखबार तक – सब कुछ ब्रिटिशों से मिला था।

इसलिए, 1970 के दशक से हमारे नेताओं के विचारों और आम बौद्धिक चर्चा में जो गिरावट आई, वह विशुद्ध देसी चीज है। इस में कोई भविष्य-दृष्टि, कोई मौलिकता नहीं है। इसीलिए, गत पचास सालों से देसी दृष्टि के नाम पर कोई दस्तावेज नहीं मिलता। उस के बदले केवल बदलते नारे हैं। 'समाजवाद' और 'हिन्दू राष्ट्र' कब का भुलाया जा चुका। 'गैर-कांग्रेसवाद', 'इन्दिरा हटाओ', 'लोकतंत्र बचाओ', आदि भी केवल कुर्सी-कब्जे की लड़ाइयों के नाम थे। किसी में विजन नहीं था। अब तो वे नारे बनाने में भी असमर्थ हैं! जो बनते हैं, इतने खोखले कि चार साल भी नहीं टिक पाते। नेता खुद उसे चुपचाप छोड़ देते हैं। फिर जुमलों, तमाशों से काम चलाते हैं। सेल्फी, मूर्तियाँ, आदि के झुनझुने लोगों को थमाते है। यह सब वैचारिक खालीपन के ही संकेत हैं।

अब किसी नेता के पास नेहरू की तरह, उधार का भी सही, कोई विचार नहीं जिस पर उन की निष्ठा हो। इसीलिए, नेहरू, राजेन्द्र प्रसाद, राजगोपालाचारी, क.मा. मुंशी, लोहिया, आदि की तरह गंभीर पुस्तकें लिखना भी अब नेताओं द्वारा नहीं होता। उन में अब सुसंगत लेख लिखने लायक भी खोजने से मिलते हैं। जबकि ब्रिटिश राज में और उस के मोमेंटम में 1960 तक हर दूसरा-तीसरा बड़ा भारतीय नेता लेखक, संपादक भी हुआ करता था। उस के बाद से क्या हुआ?

पिछले पचास वर्षों से देसी भारतीय नेताओं के पास केवल दलीय लड़ाई, गद्दी छीन-झपट की तिकड़में भर हैं। एक-दूसरे के प्रति द्वेष, झूठे-सच्चे आरोपों की पोटली है। उसी से लोगों को उकसाना और वोट-बटोरन मंसूबे ही उन की फुलटाइम चिन्ता दिखती है।

1970 के दशक के बाद, धीरे-धीरे 'समाजवाद' और 'गुटनिरपेक्षता' बेकार हो जाने पर देसी दिमाग में, देश-विदेश के बारे में, कोई सार्थक विचार नहीं आया। केवल इन्दिरा, कांग्रेस, संघ, या ब्राह्मणों की निन्दा आ गई। इस्लामी तुष्टिकरण और जातिवाद से वोट फसल काटने पर सब कुछ केंद्रित होता गया। 'हिन्दुत्व' का शिगूफा छोड़ने वाले खुद ही उस से भाग कर 'विकास' पर आ गए। सभी नारे, शिगूफे वोट की लड़ाई रहे हैं। विदेश दौरों पर भी नेता अपने प्रतिद्वंद्वी की छीछालेदर करते हैं। उन्हें देश के प्रतिनिधि होने का बोध तक भूल जाता है। तब राष्ट्रीय दृष्टि के नाम पर क्या है?

वस्तुतः देसी राज में शिक्षा, संस्कृति, और आंतरिक सुरक्षा संबंधी बिन्दु भी असल चिन्ता से दूर होते गये। फलतः, कश्मीर, असम, पंजाब, बंगाल, बिहार, आदि की अपनी-अपनी तरह दुर्गति होती गई। उस पर चिन्ता के बदले वह भी सत्ता और विपक्ष के बीच तू-तू-मैं-मैं के हीले के सिवा कुछ खास नहीं रही। सब मिल कर किसी विषय पर रचनात्मक रूप से सोचें – ऐसा संसद में पिछली बार कब हुआ था?

अंग्रेज शासक ब्रिटिश भारत के हित की दृष्टि से चीन, रूस, और अरब तक पर नजर रखते थे। उस की व्यवस्था करते थे, अड़ते थे। देसी शासक एक ही पीढ़ी में अधिकांश ऐसे आ गये जो अपने लोकसभा क्षेत्र से आगे देखने में असमर्थ थे! अनेक मंत्री अपने लोकसभा क्षेत्र को नियामतें देकर अपना अगला चुनाव पक्का करने, तथा पार्टी आलाकमान की आरती उतारने से अधिक कुछ जरूरी नहीं समझते। देसी राज के आम नेता ऐसे हो गये, जिन्हें 'अखिल भारतीय' चिन्ता छू तक नहीं गई थी! यह संसद और विधानसभाओं की कार्रवाइयों का आकलन भी दिखा सकता है कि गत पचास सालों में वहाँ क्या चर्चाएं हुईं, और नहीं हुईं? कम्युनिज्म के विघटन, इस्लामी आतंकवाद के प्रसार, या कश्मीर से हिन्दुओं के सफाए पर कभी कोई विचार हुआ? यदि नहीं, तो इस पर किसी राष्ट्रीय नीति का अभाव रहना तय था।

यह बात कितनी भी अ-देशभक्तिपूर्ण लगे, पर संपूर्ण भारत की चिन्ता अंग्रेज शासकों ने ही की। उन्होंने ही पहले इसे राजनीतिक रूप से एक किया। जो ज्ञात इतिहास में कभी नहीं हुआ था। फिर पूरे देश के लिए समेकित आर्थिक, मौद्रिक, न्यायिक, शैक्षिक, संचार, और बाह्य-आंतरिक सुरक्षा तंत्र, प्रशासनिक अधिकारियों का प्रशिक्षण, नियमावली, आदि बनाई। यह भी ज्ञात इतिहास में कभी नहीं हुआ था। वह सारा तंत्र 1947 से देसी शासकों ने सहर्ष अपना लिया। उस से बेहतर सोचने में वे असमर्थ थे। बल्कि उस की गुणवत्ता भी बनाए न रख सके!

क्योंकि देसी शासकों में अंग्रेजों वाली 'राष्ट्रीय' दृष्टि, प्रजा के प्रति निष्पक्ष चिन्ता, प्रशासनिक क्षमता एवं दृढ़ता नहीं थी। राज चलाने की दृष्टि से अनाड़ी तो वे थे ही, उन में वह आत्मसम्मान भी नहीं था, जो राजपद की जिम्मेदारी को पद पर बने रहने की लालसा से ऊपर रखे। अधिकांश देसी नेता पद पर बने रहना उस की जिम्मेदारी निभाने से ऊपर समझते रहे हैं। यह ब्रिटिश शासकों से ठीक उलटा था। कोई भी ब्रिटिश शासक या प्रशासक विफल रहने या बड़ी गलती होने पर खुद हट जाता, या हटा दिया जाता था। यह चलन देसी राज में जल्द लुप्त हो गया।

इस प्रकार, शासन चलाने की दृष्टि से अयाने, अप्रशिक्षित होने के साथ-साथ नेताओं में निजी स्वार्थ की वरीयता ने देसी नीतियों को व्यवहारतः रामभरोसे कर दिया। अधिकांश देसी नेता – गाँधी, नेहरू से लेकर आज तक – प्रायः उपदेश, आदर्शवाद, आइडियोलॉजी, और आडंबर के दीवाने रहे हैं। उन में वह तटस्थ विवेक, राज्य-हित और प्रजा-हित की कटिबद्धता, उस के लिए दृढ़ता और आत्म-शिक्षण सिरे से नहीं था जो ब्रिटिश शासकों की सामान्य विशेषता थी।

किसी ब्रिटिश वायसराय या उस के मंत्री को लफ्फाजी, उपदेश, या डींग हाँकते नहीं पाया जा सकता – जैसी देसी नेताओं की विशेषता, उन की पहचान ही रही है। इसी तरह, तब और अब के भारतीय विश्वविद्यालयों की स्थिति की भी तुलना करें। हर कहीं, दृष्टि और दृष्टिहीनता की झलक मिल सकती है। मैकॉले ने भारतीयों में क्लर्क ही नहीं, विद्वान, वैज्ञानिक, कवि, और चिंतक भी बनाए। देसी राज ने प्रोफेसरों को भी क्लर्क बनाकर, और भी निचले क्लर्कों की मर्जी पर छोड़ दिया है।

देसी नेता स्वतंत्रता के आठ दशक बाद भी मैकॉले का रोना रोते हैं। दशकों पहले दिवंगत कांग्रेस नेताओं को कोसते हैं, जिन के सत्ता में रहते उन की तुलना भगवान राम और देवी दुर्गा से करते थे। यह अपने नकारेपन और भीरुता का इश्तहार है। वे न मैकॉले को हटा सके, न नेहरू के जीवित रहते उन के काम की आलोचना का साहस दिखा सके। ऐसे लोगों द्वारा औपनिवेशिकता को कोसना और राष्ट्रवाद का दंभ खोखला है। उन की 'राष्ट्र' की समझ में केवल अपना दल है। यह केवल दलगत स्वार्थ और गद्दीवाद है। जिस के लिए वे धर्म, शिक्षा, संस्कृति को भी इस्तेमाल के सिवा किसी खास मतलब का नहीं मानते। वायसराय बेंटिक का सहायक मैकॉले एक बड़ा कवि और इतिहासकार था। देसी नेताओं के सलाहकार कौन रहे हैं?

ठीक है कि नेता भी समाज की ही देन हैं। पर समाज के अच्छे-बुरे गुणों को बढ़ाने या घटाने का काम नेता ही करते हैं। वे समाज की उन्नति और अवनति के जिम्मेदार हैं। सत्तर साल पहले नेहरू-पूजा से लेकर आज नेहरू-निन्दा तक नेता लोग ही करते रहे हैं। समाज उन का विवश अनुगामी है। इसीलिए नेताओं का परनिंदक, शेखीबाज, और अतीतजीवी होना हिन्दू समाज की असमर्थता का संकेत है।

यह निजी विचार है।

सार्वजनिक सुनवाई से डरती राजनीतिक पार्टियां

विनीत नारायण

किसी भी लोकतंत्र में, सत्ता में कोई भी पार्टी क्यों न हो, ऐसे अधिकारियों को बुलाने, उन्हे जवाबदेह बनाने के कई लाभ हैं। सबसे पहले, यह जवाबदेही सुनिश्चित करता है। चुने हुए प्रतिनिधि कार्यकारी अधिकारियों से सवाल कर सकते हैं, जो जनता की ओर से होता है। इससे भ्रष्टाचार, दुरुपयोग या नीतिगत असफलताओं पर रोशनी पड़ती है। उदाहरण के लिए, अमेरिका में पटेल की सुनवाई से एपस्टीन फाइलों पर जनता को जानकारी मिली, जो अन्यथा छिपी रह सकती थी। अमेरिका की व्यवस्था और राजनीति में हाल फिर एक ऐसी घटना घटी जब एफबीआई निदेशक काश पटेल को कांग्रेस की हाउस ज्यूडिशियरी कमिटी ने तलब किया। दिसंबर 2025 में ही उनसे जवाब तलब हुआ। पटेल को जेफरी एपस्टीन फाइलों, एफबीआई की पारदर्शिता और अन्य विवादास्पद मुद्दों पर अमेरिकी सांसदों ने कड़े सवाल किए। सुनवाई के दौरान एक एपस्टीन वीडियो चलाया गया, जिससे सदन में हंगामा हुआ। पटेल ने दावा किया कि एपस्टीन की फाइलों में इस बात का कोई विश्वसनीय सबूत नहीं है कि उन्होंने अन्य लोगों को ट्रैफिकिंग की गई पीड़िता महिलाएं प्रदान की थी। और जांच पुराने गैर-अभियोजन समझौतों से बंधी हुई है।

उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने ही एपस्टीन के खिलाफ मामले को खोला था जबकि पहले के प्रशासन (ओबामा और बाइडेन) ने फाइलें जारी नही कीं। डेमोक्रेट सांसदों ने पटेल पर ट्रंप को बचाने का आरोप लगाया, जबकि पटेल ने इनकार किया। उन्होने कहा कि सभी कानूनी रूप से जारी करने योग्य जानकारी साझा की जा रही है। सुनवाई में एजेंटों की पुनर्नियुक्ति, चार्ली किर्क की हत्या की जांच और एफबीआई के राजनीतिकरण जैसे मुद्दे भी उठे, जहां पटेल ने अपराध दर में कमी और गिरफ्तारियों में वृद्धि का हवाला दिया।

यह सुनवाई अमेरिकी लोकतंत्र की एक प्रमुख विशेषता को दर्शाती है। कांग्रेस याकि संसद द्वारा कार्यकारी अधिकारियों को सार्वजनिक रूप से जवाबदेह ठहराना वहां परंपरा है। काश पटेल, जो ट्रंप के करीबी सहयोगी हैं और एफबीआई निदेशक के रूप में नियुक्त हुए, को सितंबर 2025 में भी सीनेट और हाउस कमिटियों के समक्ष भी पेश होना पड़ा था। लेकिन दिसंबर की सुनवाई अधिक विवादास्पद रही क्योंकि इसमें एपस्टीन स्कैंडल पर फोकस था। सुनवाई के दौरान सांसदों ने पटेल से सीधे सवाल किए, जैसे एपस्टीन फाइलों में ट्रंप का नाम कितनी बार आया और क्यों रेडैक्शन (संशोधन) के लिए लगभग 1,000 एजेंटों को लगाया गया।

पटेल ने इनकार किया कि संसाधनों का दुरुपयोग हुआ और कहा कि जांच चल रही है, लेकिन अदालती आदेशों से बंधे हैं। इस तरह की सुनवाई लाइव प्रसारित होती हैं, जो जनता को सीधे देखने का अवसर देती हैं और यह अमेरिकी संविधान की जांच और संतुलन की व्यवस्था का हिस्सा है।

यदि तुलना की जाए तो भारत में भी यों संसद द्वारा किसी अधिकारी को बुलाने की प्रक्रिया है। लेकिन यह अमेरिकी कांग्रेस की तरह सार्वजनिक और जवाबदेही में सख्त नहीं होती। भारतीय संसद की स्थायी समितियां, जैसे लोक लेखा समिति (पीएसी), अनुमान समिति या संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी), अधिकारियों को बुला सकती हैं और पूछताछ कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, 2जी स्पेक्ट्रम घोटाले में जेपीसी ने अधिकारियों को समन किया था, लेकिन ये कार्यवाहियां बंद दरवाजों के पीछे होती हैं, मीडिया को अनुमति नहीं होती और कोई लाइव ब्रॉडकास्ट भी नहीं होता। अमेरिका में जहां सुनवाई टीवी पर लाइव होती है और सांसद अधिकारियों को कड़े सवाल भी कर सकते हैं, भारत में यह गोपनीय रहती है ताकि जांच प्रभावित न हो। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 105 और 118 के तहत समितियां स्वतंत्र हैं, लेकिन सार्वजनिक सुनवाई की परंपरा नहीं है। क्या भारत में कभी ऐसी सुनवाई हो सकती है? यह संभव है, लेकिन राजनीतिक घोटालों के बावजूद राष्ट्रपति प्रणाली में व्यवस्था का चैक-बैलेंस है। जबकि यहां प्रधानमंत्री और मंत्री संसद के सदस्य होते हैं, इसलिए अधिकारी को बुलाना मंत्री की जिम्मेदारी पर सवाल उठा सकता है, जो राजनीतिक अस्थिरता पैदा कर सकता है। यदि कोई बड़ा घोटाला हो, जैसे राफेल डील या कोयला घोटाला आदि, तो जेपीसी तो अवश्य बन सकती है, लेकिन सार्वजनिक सुनवाई से राजनीतिक पार्टियां डरती हैं क्योंकि इससे संसद में हंगामा, इस्तीफे या सरकार गिरने का खतरा होता है। **यह निजी विचार है।**

श्री शिवराज सिंह चौहान ने आईसीएआर द्वारा विकसित 25 फसलों की 184 नई किस्में राष्ट्र को किया समर्पित

राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा 33.26 करोड़ रु. के लाभांश का चेक केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को भेंट

वर्ष 1969 से अब तक 7205 फसल किस्मों को मंजूरी, वहीं मोदी सरकार के 11 साल में 3236 नई उच्च उत्पादक किस्में- कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान

किसानों की आय बढ़ाने में बड़ी छलांग, भारत बनेगा विश्व का 'फूड बास्केट'- श्री शिवराज सिंह चौहान

आईसीएआर और कृषि विश्वविद्यालयों के शोध से बीज क्रांति, विशेष गुणों वाली उच्च उत्पादक किस्में सूखा-लवणीयता जैसी चुनौतियों से निपटने में कारगर- श्री शिवराज सिंह चौहान

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज नई दिल्ली के एनएएससी कॉम्प्लेक्स स्थित ए.पी. शिंदे ऑडिटोरियम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा विकसित 25 फील्ड फसलों की 184 उन्नत किस्मों का अनावरण किया। यह कार्यक्रम भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के तत्वावधान में आयोजित किया गया जिसमें वैज्ञानिकों, वरिष्ठ अधिकारियों और कृषि विशेषज्ञों ने सहभागिता की। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत ने उच्च उत्पादक बीजों के विकास में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। वर्ष 1969 में शुरू हुई गजट अधिसूचना प्रक्रिया के बाद अब तक कुल 7205 फसल प्रजातियों को अधिसूचित किया जा चुका है जिनमें धान, गेहूं, ज्वार, मक्का, दलहन, तिलहन, रेशेदार और अन्य फसलें शामिल हैं, वहीं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11ङ्क12 वर्षों में नई किस्मों के विकास की गति और तेज हुई है, अकेले इस अवधि में 3236 उच्च उत्पादक प्रजातियों को मंजूरी मिली है, जबकि 1969 से 2014 तक 3969 प्रजातियों को अधिसूचित किया गया था। अब अधिसूचित 184 उन्नत किस्मों का लोकार्पण किया गया है, जो देश के किसानों को अधिक उपज, बेहतर गुणवत्ता और जलवायु सहनशीलता जैसे लाभ देंगी।

उन्होंने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की फसल संबंधी समन्वित परियोजनाओं के तहत परिषद की संस्थाओं, राज्य व केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों और निजी बीज कंपनियों ने मिलकर इन किस्मों के विकास में अहम योगदान दिया है। विशेष गुणों वाली कई प्रजातियां, जैसे सूखा सहनशील, लवणीय-क्षारीय मिट्टी में उपज देने वाली और रोग-कीट प्रतिरोधी किस्में, किसानों को बदलते मौसम और जलवायु संकट से सुरक्षा कवच देंगी। श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत उच्च उत्पादक और जलवायु सहनशील बीजों के विकास के दम पर कृषि में नई क्रांति के दौर में प्रवेश कर चुका है। केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह उपलब्धि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की फसलों की अखिल भारतीय समन्वित परियोजनाओं, राज्य व केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों और निजी बीज कंपनियों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। कुल 184 हाल की प्रजातियों के विकास में परिषद की संस्थाओं, विश्वविद्यालयों और निजी क्षेत्र की बीज कंपनियों ने क्रमशः 60, 62 और 62 प्रजातियों के साथ योगदान दिया है। श्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि कई नई लोकार्पित किस्मों में सूखा, बाढ़, लवणीयता और रोग-कीट प्रतिरोध जैसे विशेष गुण निहित हैं, जो मौसम की अनिश्चितता के बीच स्थिर उत्पादन सुनिश्चित करेंगे। उच्च पैदावार के साथ-साथ इन किस्मों में बेहतर गुणवत्ता, पोषण-समृद्धि और प्रसंस्करण-उपयुक्तता जैसे गुण भी हैं, जिससे किसानों को बाजार में बेहतर दाम और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न मिलेगा। यह 'लैब से लैंड' की यात्रा का सफल मॉडल है। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि हर किसान के खेत तक उच्च गुणवत्ता वाले बीज पहुंचें, ताकि भारत न सिर्फअपने लिए बल्कि पूरे विश्व के लिए अन्न उत्पादन करने वाला देश बने। केंद्रीय कृषि मंत्री ने भारतीय कृषि को 'विकसित भारत' के निर्माण की आधारशिला बताते हुए कहा कि देश ने चावल उत्पादन में चीन को पीछे छोड़कर 150.18 मिलियन टन उत्पादन के साथ नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि भारत अब खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कर चुका है और दुनिया को अन्न प्रदान करने वाला राष्ट्र बन गया है। केंद्रीय मंत्री ने इस उपलब्धि के लिए किसानों, वैज्ञानिकों, शोध संस्थानों और निजी क्षेत्र को बधाई दी।

जैन साध्वियों का दर्शन करने से पुण्य प्राप्त होता है : नवीन जैन

संवाददाता

केसिंगा स्थानीय महावीर जैन भवन के प्रांगण में आज उड़ीसा के टीटलागढ़ विधानसभा क्षेत्र के सब के सुपरीचीत एवं सबको चाहने वाले जैन समाज के गौरव टिटलागढ़ के विधायक नवीन कुमार जैन ने आज केसिंगा आगमन कर के यहां पर विराजीत जैन शासन के विलक्षण साध्वी श्री वैभव श्री जी का दर्शन करके अति आनंद का अनुभव कर रहा हु। उन्होंने अपने विचार में कहा कि जहां भी जैन साधु साध्वियां विराजित होते हैं वहां उनका दर्शन आवश्यक करते हैं।

मैं कितना भी व्यस्त हूं मगर हम धर्म और धर्म के प्रति प्रगड आस्था रखता हूं। साध्वी श्री जी का प्रवचन निरंन्तर केसिंगा में चल रहा है। इस प्रवचन में आसपास के क्षेत्र से एवं स्थानीय भाई बहनों की उपस्थिति काफी रहता है। साध्वी श्री जी का जब से केसिंगा शहर में आगमन हुआ है तपसे किसिंगा शहर में धर्म मय वातावरण देखने को मिल रहा है। इन सभी को दृष्टि में रखते हुए स्थानीय स्थानकवासी के भाई बहन एक होकर के सभी कार्यक्रमों का सुचारू रूप से परिचालन करते हैं। विशेष रूप से भाई बसंन्त लाल जैन का परिवार निरंन्तर साध्वी श्री जी का सेवा में तत्पर देखने को मिल रहा है। इस परिपक्षी में भाई चितरंसेन जैन, श्यामलाल जैन, स्थानीय अग्रवाल सभा के उपाध्यक्ष सुनील जैन, टीटू जैन, अजय जैन, इन सभी ने मिलकर के बाहर से आगन्तू भाई बहनों की व्यवस्था सुचारू रूप से कर रहे हैं।

आज विधायक जी के साथ स्थानीय जय भगवान जैन,अरुण निगानिया, विनोद जैन, मोहनलाल अग्रवाल आदि सभी का गरिमा मय उपस्थित रहा।

राजस्थान 6 जनवरी, 2026 को क्षेत्रीय एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस 2026 की मेजबानी करेगा

पीआईबी

भारत में आयोजित होने वाले इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की तैयारियों के तहत, राजस्थान रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस 2026 का आयोजन 6 जनवरी, 2026 को जयपुर में किया जाएगा। यह सम्मेलन एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय मंच के रूप में कार्य करेगा, जहां यह पता लगाया जाएगा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता किस प्रकार शासन सुधार, आर्थिक विकास, नवाचार और समावेशी विकास को गति प्रदान कर सकती है। इस सम्मेलन में भारत सरकार और राजस्थान सरकार के वरिष्ठ नेतृत्वकर्ता भाग लेंगे, जिनमें भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी एवं वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद, राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा और राजस्थान सरकार के सूचना एवं संचार मंत्री कर्नल राजवर्धन राठौर सहित अन्य शामिल हैं। राजस्थान क्षेत्रीय एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस में राज्य के एआई इकोसिस्टम को मजबूत करने, नवाचार को बढ़ावा देने और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में एआई को तेजी से अपनाने में के उद्देश्य से महत्वपूर्ण घोषणाएं और समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। सम्मेलन के एजेंडे में सार्वजनिक सेवा वितरण और शासन के लिए एआई, नैतिक और उत्तर दायित्वपूर्ण एआई, एआई और रोजगार एवं कौशल का भविष्य, तथा राजस्थान के एआई स्टार्टअप और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के उद्भव पर उच्च स्तरीय सत्र शामिल होंगे। चर्चाओं में डिजिटल ट्विन्स और एआई-आधारित अवसंरचना नियोजन जैसे उन्नत अनुप्रयोगों और इस बात से संबंधित रणनीतिक प्रश्नों पर भी विचार किया जाएगा कि क्या एआई भारत को आउटसोर्सिंग-आधारित मॉडल से विश्व स्तरीय बौद्धिक संपदा सृजन की ओर छलांग लगाने में सक्षम बना सकता है।

इसके अतिरिक्त, विशेषज्ञ वैश्विक एआई, राष्ट्रीय एआई और क्षेत्रीय एआई रणनीतियों पर अपने विचार साझा करेंगे, जिसमें आईआईटी जोधपुर द्वारा लाया गया एक समर्पित अकादमिक और अनुसंधान दृष्टिकोण शामिल होगा, जो स्थानीय स्तर पर आधारित लेकिन वैश्विक स्तर पर प्रासंगिक एआई समाधानों को आकार देने में संस्थानों की भूमिका पर प्रकाश डालेगा।

राजस्थान डिजीफेस्ट म टीआईई ग्लोबल समिट 2026 के साथ आयोजित यह सम्मेलन, डिजिटल नवाचार और उभरती प्रौद्योगिकियों के केंद्र के रूप में राजस्थान की बढ़ती महत्वाकांक्षा को रेखांकित करता है। क्षेत्रीय एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस, इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के लिए आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत आयोजित है, जो क्षेत्रीय नवाचार, व्यावहारिक कार्यान्वयन और असल दुनिया पर प्रभाव के माध्यम से वैश्विक एआई नेतृत्व को मजबूत करने के भारत के दृष्टिकोण को बल देता है।

राह-वीर : बिना किसी डर के जीवन बचाएं

नेक आदमी की सुरक्षा यह सुनिश्चित करती है कि आपको किसी भी बात की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है

पीआईबी

सड़क दुर्घटना के दौरान हर पल महत?वपूर्ण होता है, विशेषकर उस महत?वपूर्ण 'गोल्डन आवर' में जब समय पर सहायता मिलने से किसी की जान बच सकती है। ऐसे क्षणों में आगे आने वाले लोगों का समर्थन और सुरक्षा करने के लिए, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम, 2019 की धारा 134ए के तहत 2020 में गुड समैरिटन रूल्स अधिसूचित किए। ये नियम एक सरल विश्वास पर आधारित हैं - दुर्घटना पीड़ित की सहायता करने वाले किसी भी व्यक्ति को ऐसा करने से कभी डरना नहीं चाहिए। जो लोग साहस दिखाते हुए किसी घायल अजनबी को उठाकर, अक्सर उसका नाम भी जाने बिना, उसे निकटतम अस्पताल ले जाते हैं, उन्हें राह-वीर कहा जाता है।

किसी दुर्घटना पीड़ित की सहायता करने वाले नेक आदमी को कानूनी झंझटों में नहीं फंसाया जा सकता, उससे व्यक्तिगत जानकारी देने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता या उसे अनावश्यक रूप से हिरासत में नहीं लिया जा सकता है। उनकी सहायता करने की इच्छा का सम्मान किया जाता है और उनकी गरिमा और निजता की रक्षा की जाती है।

गोल्डन आवर में जीवन बचाना

कानून के अनुसार, गंभीर चोट लगने के बाद का पहला घंटा 'गोल्डन आवर' कहलाता है जो चिकित्सा सहायता के लिए सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। इस अवधि के दौरान त्वरित सहायता से आजीवन विकलांगता, आघात और अनगिनत मौतों को रोका जा सकता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि राह-वीर बनने के लिए आपको चिकित्सा प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं है। आपको विशेष उपकरणों की भी आवश्यकता नहीं है। कभी-कभी, आपकी सहायता करने की इच्छा ही सबसे बड़ी सहायता होती है।

एक नेक आदमी बननाः आपको जानना चाहिए - क्या करें और क्या न करें - या करेंः आपके

अधिकार और जिम्मेदारियां

बिना किसी डर के सहायता करेंः सद्भावना से कार्य करने पर आपको कानूनी रूप से नागरिक या आपराधिक दायित्व से सुरक्षा प्राप्त है।

यह जान लें कि आप गुमनाम रह सकते हैंः जब तक आप गवाह बनना न चाहें, तब तक आपको व्यक्तिगत विवरण साझा करने की आवश्यकता नहीं है। कृपया केवल एक बार ही पुलिस को बयान दे सकते हैंः यदि आप गवाह के रूप में स्वेच्छा से उपस्थित होते हैं तो आपकी सुविधानुसार किसी भी समय और स्थान पर आपसे एक बार पूछताछ की जा सकती है।

अस्पताल से रसीद अवश्य प्राप्त करेंः आपको इस बात की साधारण पुष्टि प्राप्त करने का अधिकार है कि आप पीड़ित को उपचार के लिए लाए थे।

क्या न करेंः वे मिथक जिन पर आपको विश्वास नहीं करना चाहिए

कानूनी चिंताओं के कारण संकोच न करेंः यह प्रणाली राह-वीरों की रक्षा के लिए बनाई गई है।

अस्पताल में रुकने के लिए बाध्य महसूस न करेंः एक बार मरीज को भर्ती कर लिया जाए तो आप जाने के लिए स्वतंत्र हैं।

इलाज के लिए भुगतान न करेंः अस्पताल आपातकालीन देखभाल के लिए आपसे भुगतान की मांग नहीं कर सकते।

एफआईआर दर्ज कराने या गवाही देने के लिए खुद को बाध्य महसूस न करेंः गवाह बनना आपकी व्यक्तिगत पसंद है।

रायपुर में आयोजित लघुकथा साझा संग्रह 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड

रायपुर। ÷साहित्य विधा÷ साहित्यिक मंच द्वारा आज 4 जनवरी 2026 को वृंदावन हॉल, रायपुर में आयोजित लघुकथा साझा संग्रह 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' कार्यक्रम में निरंतर साहित्य-साधना हेतु सुषमा प्रेम पटेल को सम्मानित किया गया। ह्वाट्सऐप मंच पर वर्ष भर प्रतिदिन अनवरत सृजन के लिए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि सुषमा प्रेम पटेल द्वारा विविध विषयों पर लगातार साहित्य साधना की जा रही है। उनके साहित्य में गहरी संवेदनशीलता है जो मनुष्य के मन को छूती है। उन्होंने अपने काव्य में आधुनिक समय की चुनौतियों के साथ मनुष्य के मनोविज्ञान पर अपनी सुंदर कलम चलाई है। इस मौके पर वक्ताओं ने सुषमा पटेल की प्रशंसा करते हुए कहा कि नियमित साहित्य सृजन से और नई काव्य भूमि में सृजन कर उन्होंने कल्पनाशीलता के नए आयाम खोले हैं।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी संयुक्त अरब अमीरात एवं श्रीलंका की यात्रा पर रवाना हुए

सेना प्रमुख (सीओएएस), जनरल उपेंद्र द्विवेदी, विदेशी मित्र राष्ट्रों के साथ रक्षा सहयोग एवं सैन्य संबंधों को मजबूत करने की भारत की निरंतर प्रतिबद्धता के मद्देनजर 05 से 08 जनवरी 2026 तक संयुक्त अरब अमीरात एवं श्रीलंका की यात्रा पर रवाना हुए।

जनरल द्विवेदी का यह दौरा 05-06 जनवरी 2026 को संयुक्त अरब अमीरात में प्रमुख कार्यक्रमों के साथ शुरू होगा। जनरल द्विवेदी के आगमन पर यूएई थल सेना द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा। अपने यूएई प्रवास के दौरान, सेना प्रमुख यूएई सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे, जिसमें यूएई थल सेना के कमांडर भी शामिल हैं। वह यूएई सेना की संरचना, भूमिकाओं एवं क्षमताओं की जानकारी भी प्राप्त करेंगे। जनरल द्विवेदी प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठानों का दौरा करेंगे और श्रीलंकाई अधिकारियों एवं सैनिकों से बातचीत करेंगे, जो भारत एवं संयुक्त अरब अमीरात के बीच बढ़ती रक्षा साझेदारी को दर्शाता है। उनके कार्यक्रमों में यूएई के राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय का दौरा भी शामिल है जहां भारतीय सेना प्रमुख सभी अधिकारियों को संबोधित करेंगे। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य

दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग, पेशेवर सैन्य संबंध एवं रणनीतिक समझ को और मजबूत करना है।

यूएई की यात्रा के बाद, जनरल द्विवेदी 07-08 जनवरी को श्रीलंका के दौरे पर रहेंगे। उनके आगमन पर, श्रीलंकाई सेना द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा। वह श्रीलंकाई सेना के कमांडर, रक्षा उप मंत्री एवं रक्षा सचिव सहित वरिष्ठ सैन्य एवं नागरिक नेतृत्व के साथ बातचीत करेंगे। जनरल द्विवेदी श्रीलंका में प्रशिक्षण सहयोग, क्षमता निर्माण एवं क्षेत्रीय सुरक्षा सहित दोनों देशों के पारस्परिक हितों वाले विषयों पर विस्तृत चर्चा करेंगे।

अपनी यात्रा के दौरान, सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी श्रीलंका के रक्षा सेवा कमान एवं स्टाफ कॉलेज (डीएससीएससी) में अधिकारियों को संबोधित करेंगे और बुट्टाला स्थित सेना युद्ध कॉलेज में अधिकारियों एवं प्रशिक्षुओं के साथ बातचीत करेंगे, जो श्रीलंका के साथ रक्षा शिक्षा एवं पेशेवर सैन्य आदान-प्रदान के प्रति भारत की मजबूत प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

जनरल द्विवेदी आईपीकेएफ युद्ध स्मारक जाकर भारतीय सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी की यूएई एवं श्रीलंका की यात्रा हिंद महासागर क्षेत्र एवं पश्चिम एशिया में मित्र राष्ट्रों के साथ रक्षा सहयोग को मजबूत करने, आपसी विश्वास को बढ़ावा देने एवं अंतर-संचालनीयता को बढ़ाने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

कोदो, कुटकी, रागी सहित विभिन्न प्रकार के मिलेट्स महोत्सव का आयोजन धमतरी में पहली बार होगा

संवाददाता। महोत्सव के दौरान जिले में उत्पादित कोदो, कुटकी, रागी सहित विभिन्न प्रकार के मिलेट्स एवं उनसे तैयार पोषक, स्वादिष्ट और पारंपरिक व्यंजनों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई जाएगी। उपस्थित नागरिक इन व्यंजनों का स्वाद लेकर मिलेट्स आधारित खानपान को अपने दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित होंगे।इस अवसर को और भी गरिमामयी बनाते हुए पद्मश्री सम्मानित डॉ. खादर वल्ली विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। वे किसानों एवं नागरिकों को मिलेट्स के नियमित सेवन से होने वाले स्वास्थ्य लाभ, जीवनशैली में इसके महत्व, मधुमेह, हृदय रोग एवं पाचन संबंधी समस्याओं में इसकी भूमिका तथा वैज्ञानिक खेती एवं विपणन के अवसरों पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। उल्लेखनीय है कि मिलेट्स में प्रचुर मात्रा में फाइबर, आयरन, कैल्शियम, प्रोटीन एवं आवश्यक खनिज तत्व पाए जाते हैं। यह फसल कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली, जलवायु अनुकूल एवं पर्यावरण संरक्षण में सहायक है, जिससे किसानों की लागत घटने के साथ उनकी आय में वृद्धि की संभावनाएं भी बढ़ती हैं।कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने जिले के कृषकों, महिला समूहों, युवाओं एवं आमजन से इस ऐतिहासिक मिलेट्स महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर सहभागिता निभाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि मिलेट्स को जन-आंदोलन का रूप देकर ही स्वस्थ समाज, समृद्ध किसान और सशक्त जिले की संकल्पना को साकार किया जा सकता है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

कलेक्टर महोबे का आह्वान — शिवरीनारायण नगर हमारा है, इसे स्वच्छ रखना हम सबकी जिम्मेदारी

स्वच्छता सेनानी अभियान के तहत नदी-तट संरक्षण, श्रमदान एवं प्लास्टिक-मुक्ति की पहल

जांजगीर-चांपा /

जिला प्रशासन जांजगीर-चांपा एवं नगर पंचायत शिवरीनारायण की संयुक्त पहल ÷शबरी कार सेवा÷ का आज शुभारंभ किया गया। स्वच्छता को जन-आंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से आयोजित इस अभियान की शुरुआत स्वच्छता सेनानी अभियान के अंतर्गत सामूहिक श्रमदान एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम के साथ की गई।अभियान में पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडेय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री गोकुल रावटे, एसडीएम जांजगीर श्री सुब्रत प्रधान,नगर पंचायत शिवरीनारायण अध्यक्ष श्री राहुल थवाईत सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने कहा कि शिवरीनारायण एक पवित्र, ऐतिहासिक एवं धार्मिक नगरी है, जहाँ तीन नदियों का संगम इसकी विशिष्ट पहचान है। ऐसी नैसर्गिक एवं धार्मिक धरोहर को स्वच्छ, सुंदर एवं प्लास्टिक-मुक्त बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शबरी कार सेवा केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि इसे निरंतर अभियान के रूप में आगे बढ़ाया जाएगा।इस अभियान के माध्यम से जनभागीदारी, अनुशासन एवं निरंतर प्रयासों के साथ शिवरीनारायण को स्वच्छ, सुंदर एवं प्लास्टिक-मुक्त धार्मिक नगरी के रूप में विकसित करने की दिशा में शुरुवात की गई। कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि जिस प्रकार हम अपने घर को प्रतिदिन स्वच्छ रखते हैं, उसी प्रकार पूरे शिवरीनारायण नगर को भी अपना घर मानकर स्वच्छ रखना होगा। कचरे का संग्रहण, उसका सेग्रीगेशन एवं शत-प्रतिशत निस्तारण हम सभी का दायित्व है। उन्होंने यह भी कहा कि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को भी इस अभियान से जोड़ा जाएगा।

कार्यक्रम में नगर पंचायत, जनप्रतिनिधि, पार्षदगण, अधिकारी-कर्मचारी, सामाजिक संगठन, स्व-सहायता समूह, युवा, महिलाएँ, छात्र-छात्राएँ, पुजारीगण एवं श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में संकल्प लिया – ÷शिवरीनारायण हमारा है और इसे स्वच्छ रखना हम सबकी जिम्मेदारी है।÷कलेक्टर ने नागरिकों को स्वच्छता सेनानी के रूप में जोड़ते हुए स्वच्छता संबंधी शपथ दिलाई गई। शपथ में खुले में कचरा नहीं फैलाने, घाटों एवं सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने, घर-घर गीले एवं सूखे कचरे के पृथक्करण तथा समाज को स्वच्छता के लिए प्रेरित करने का संकल्प शामिल रहा।

÷स्वच्छता केवल कार्यक्रम नहीं, नागरिक आदत बने÷ — कलेक्टर कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि स्वच्छता किसी एक दिन या एक विभाग का कार्य नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सतत जिम्मेदारी है। शिवरीनारायण को आदर्श नगर के रूप में विकसित करने के लिए जिला प्रशासन एवं नागरिकों की संयुक्त भागीदारी आवश्यक है।

100 प्रतिशत डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण पर विशेष जोर

अभियान के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को सुदृढ़ करते हुए 100 प्रतिशत डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, खुले में कचरा फेंकने पर रोक एवं निरंतर निगरानी व्यवस्था लागू की जा रही है। डस्टबिन-फ्री बाजार की पहल से स्वच्छ एवं व्यवस्थित बाजार संस्कृति को बढ़ावा दिया जाएगा। साथ ही स्व-सहायता समूहों एवं महिलाओं को रोजगार से जोड़ने स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। इससे महिलाओं को स्थायी रोजगार, नियमित आय एवं आत्मनिर्भरता के अवसर प्राप्त होंगे।

प्लास्टिक-मुक्त व्यवहार एवं पर्यटन विकास पर फोकस

नागरिकों से अपील की गई कि बाजार जाते समय कपड़े या जूट के थैले का उपयोग करें। साथ ही घाटों के सौंदर्यीकरण, एक्सपीरियंस ज़ोन के विकास, नाव संचालन एवं नदी-तट प्रबंधन के माध्यम से स्वच्छता, पर्यटन एवं पर्यावरण को एक साथ सशक्त किया जाएगा।

स्वच्छता मित्रों का सम्मान- नगर की स्वच्छता व्यवस्था से जुड़े सभी सफाई कर्मचारियों को ÷स्वच्छता मित्र÷ के रूप में सम्मानित किए जाने की बात कही गई। कलेक्टर ने कहा कि सफाई कर्मचारियों के योगदान के बिना स्वच्छ शिवरीनारायण की कल्पना संभव नहीं है।

ग्राम आमगांव में शिव महापुराण कथा के चौथे दिन शिव-पार्वती विवाह की धूम, श्रद्धालु झूमे

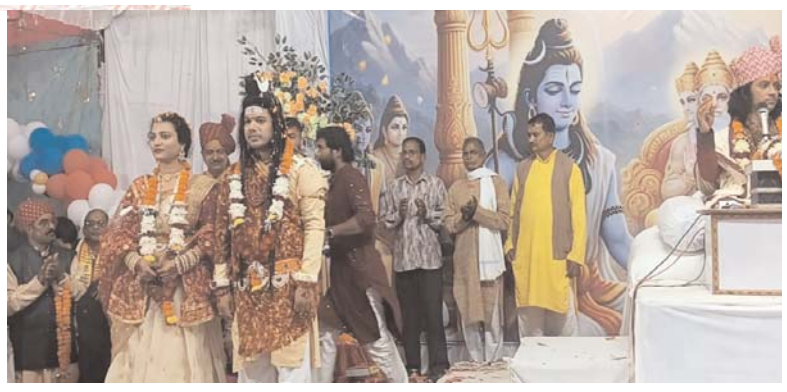

शिव-पार्वती विवाह में तेलमाटी-चुलमाटी, हल्दी, बारात स्वागत व विवाह टिकावन का भावपूर्ण वर्णन

राजनांदगांव। ग्राम आमगांव (कुमरदा) में आयोजित श्री शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ कथा के चौथे दिन अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कथा वाचक पंडित पूज्य महाराज श्री मुकुंद कृष्ण जी (ग्राम राका, धर्मनगरी डोंगरगढ़) द्वारा सती चरित्र एवं भगवान शिवङ्कपार्वती विवाह प्रसंग का अत्यंत भावात्मक एवं रसपूर्ण वर्णन किया गया। कथा श्रवण के दौरान पंडाल में उपस्थित श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर नजर आए।

कथावाचन के दौरान जैसे ही भजन ÷हरि ऊ मे ऊ समाया, मेरा भोला नगर में आया है÷ एवं ÷भोले के हाथों में डमरू बिराजे÷ का सस्वर गायन हुआ, वैसे ही पूरा कथा पंडाल शिवमय वातावरण से गूंज उठा। महिलाएं, युवा-युवतियां एवं पुरुष श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ की भक्ति में लीन होकर झूमते नजर आए।

पंडित मुकुंद कृष्ण जी ने सती माता के त्याग, तपस्या तथा शिव-पार्वती विवाह की दिव्य कथा का विस्तार से वर्णन करते हुए बताया कि यह प्रसंग श्रद्धा, समर्पण और आत्मिक प्रेम का प्रतीक है। उनकी ओजस्वी वाणी एवं भावपूर्ण शैली ने कथा को और भी प्रभावशाली बना दिया।

ईश्वर TV पर हो रहा है सीधा प्रसारण शिव महापुराण कथा का प्रतिदिन दोपहर 02 बजे से शाम 04 बजे तक धार्मिक एवं आध्यात्मिक चैनल ÷ईश्वर TV÷ पर सीधा प्रसारण किया जा रहा है, जिससे दूर-दराज के श्रद्धालु भी इस पावन कथा का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

आयोजन में ग्रामवासियों का सराहनीय योगदान

इस भव्य धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में संदीप भूमिका, कुसुम-होशांग, इंदू, लोकमणी, खुशबू, नोहिल, लक्ष्मण, चन्द्रभान, रजभान, रवि, गज्जू, खिलावन, मिलाप दास साहू, संतोषी साहू, रामेश्वर सिंह साहू, शारदा देवी साहू, दिलीप कुमार साहू, मीना साहू सहित समस्त ग्रामवासियों का सराहनीय योगदान रहा।

चौथे दिन भी कथा पंडाल में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे पूरा ग्राम क्षेत्र शिव भक्ति के रंग में रंगा हुआ नजर आया।

आजीविका डबरी निर्माण, रोजगार – आवास दिवस एवं 90 दिवस की मजदूरी का लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश

जिला पंचायत सीईओ ने लोहरसी, धरदेई एवं मेउभाठा ग्रामों में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के कार्यों का किया निरीक्षण

जांजगीर-चांपा /

जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण एवं मनरेगा के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गोकुल रावटे द्वारा जनपद पंचायत पामगढ़ अंतर्गत निर्माणाधीन आवासों एवं संबंधित कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ ने जनपद पंचायत पामगढ़ के लोहरसी, धरदेई एवं मेउभाटा ग्रामों का दौरा कर प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत निर्माणाधीन आवासों की प्रगति का स्थल पर जाकर जायजा लिया तथा हितग्राहियों से सीधे संवाद कर निर्माण की स्थिति, गुणवत्ता एवं मजदूरी भुगतान की जानकारी प्राप्त की। सीईओ श्री रावटे ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजनाङ्कग्रामीण के हितग्राहियों को 90 दिवस की अकुशल श्रमिक मजदूरी का लाभ अनिवार्य रूप से दिलाया जाए तथा आवास निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि आवास योजना केवल भवन निर्माण तक सीमित न रहे, बल्कि उससे जुड़ी आजीविका एवं रोजगार सुविधाएं भी हितग्राहियों तक सुनिश्चित रूप से पहुंचे। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ ने अधिकारियों को मांग के आधार पर तकनीकी मापदंडों के अनुरूप आजीविका डबरी निर्माण कराए जाने तथा इसके माध्यम से हितग्राहियों के लिए आजीविका संवर्धन प्लान तैयार कर प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक माह की 7 तारीख को आयोजित होने वाले रोजगार दिवस एवं आवास दिवस के अवसर पर हितग्राहियों से क्यूआर कोड स्कैन करवाते हुए शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए, ताकि लोग योजनाओं के प्रति जागरूक हों और उनका अधिकतम लाभ ले सकें। सीईओ ने संबंधित अधिकारियों एवं मैदानी अमले को हितग्राहियों के साथ सतत समन्वय बनाए रखने, नियमित निगरानी करने तथा तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय का जिले में तूफानी दौरा

सुबह शिवरीनारायण फिर पामगढ़ क्षेत्र के चंडीपारा पहुंचकर महिला कमांडो का गठन

पुनः ग्राम कुरियारी तत्पश्चात बलौदा क्षेत्र के जूनाडीह एवं पतोरा क्षेत्र पहुंचकर विशेष सामुदायिक पुलिसिंग के तहत नशा मुक्ति जागरूकता

जांजगीर चांपा / पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा द्वारा पुलिस और आम नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय एवं विश्वास को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आज दिनांक को सुबह *कलेक्टर जांजगीर चांपा श्री जन्मेजय महोबे* के साथ शिवरीनारायण पहुंचकर स्वच्छता अभियान में शामिल हुए और शिवरीनारायण नदी घाट की साफ सफाई को लेकर स्वच्छता का संदेश दिया। स्कने कहा कि स्वच्छता केवल अभियान नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामाजिक जिम्मेदारी है। इसके बाद थाना पामगढ़ क्षेत्र के चंडीपारा पहुंचकर सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रम का आयोजन किया जाकर महिला कमांडो का गठन किया गया बाद तूफानी दौरा के दौरान ग्राम कुरियारी पहुंचकर नशामुक्ति सायबर जागरूकता कार्यक्रम बाद इसी कड़ी में लगातार बलौदा क्षेत्र के जूनाडीह एवं पंतोरा पहुंचकर सामुदायिक पुलिसिंग के तहत नशा मुक्ति जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में शांति, सुरक्षा और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना है।

इस अवसर पर पुलिस पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों को कानून -व्यवस्था, साइबर अपराध, नशा मुक्ति, महिला एवं बाल सुरक्षा तथा यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही नागरिकों की समस्याओं को सुना गया और उनके समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों, युवाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों ने सक्रिय सहभागिता की। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सामुदायिक पुलिसिंग के माध्यम से पुलिस और जनता मिलकर अपराधों की रोकथाम तथा सुरक्षित समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। स्क्क ने सभी नागरिकों से अपील की गई कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें और समाज में शांति एवं सौहार्द बनाए रखने में सहयोग करें। उपरोक्त कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक सहित थाना प्रभारी शिवरीनारायण निरीक्षक राजीव श्रीवास्तव, थाना प्रभारी पामगढ़ निरीक्षक सावन सारथी उपस्थित रहे।

रैम्प योजना के अंतर्गत भावसर फाउंडेशन द्वारा महिलाओं एवं पुरुषों को दिया जा रहा उद्यमिता की ट्रेनिंग

राजनांदगांव – रैम्प योजना के अंतर्गत भावसर फाउंडेशन द्वारा महिलाओं एवं पुरुषों को विभिन्न स्थानों में उद्यमिता की ट्रेनिंग दी जा रही है इसी तारतम्य में डोंगरगढ़ के वार्ड क्रमांक 14 अम्बेडकर भवन में महिलाओं एवं पुरुषों को रैम्प योजना के अंतर्गत सफल उद्यमिता के गुर सिखाए गए । रायपुर से आए श्री रविन्द्र नाग ने बताया कि किसी भी सफल उद्यमिता के पीछे उत्कृष्ट और दूरदर्शी योजना महत्वपूर्ण है साथ ही सकारत्मक सोच के साथ आत्मविश्वास से हम सफल उद्यमी बन सकते है । यदि कोई लोन लेकर व्यवसाय करना चाहे तो आज बैंक , जिला उद्योग केंद्र आसानी से लोन उपलब्ध करा देते है । इस अवसर पर जन शिक्षण संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी श्री भागवत कुंभकार विशेष रूप से उपस्थित थे।

पत्रकार साथी स्वस्थ्य रहे, मस्त रहे, व्यस्त रहे : ब्यास कश्यप

डा. गौरीशंकर कश्यप की स्मृति में संजीवनी हार्ट केयर एंड मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल जांजगीर में पत्रकार एवम परिजनों के लिए नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

जांजगीर चांपा।

डॉक्टर लोकेंद्र कश्यप अपने ज्ञान का उपयोग समाज की भलाई के लिए करते रहे हैं, पत्रकारगण भी इसी समाज का अभिन्न अंग है जो की समाज की भलाई के लिए हमेशा कार्यरत रहते हैं । आज का यह स्वास्थ्य शिविर पत्रकारगण एवं उनके परिजनों के लिए आज था। सभी पत्रकार साथी स्वस्थ रहें मस्त रहें व्यस्त रहें, उपरोक्त उदगार आज संजीवनी हार्ट केयर एंड मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल जांजगीर में डॉ. गौरीशंकर कश्यप की स्मृति में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में जांजगीर चांपा विधायक ब्यास कश्यप ने कहा।

रविवार सुबह 9 बजे सबसे पहले स्वास्थ्य शिविर में वरिष्ठ पत्रकार देव कुमार पाण्डेय स्वास्थ्य चेकअप के लिए पहुंचे, फिर पुरषोत्तम राठौर, राजेश सिंह क्षत्री, शशि भूषण सोनी, शैलेश शर्मा, संजय यादव, निलेश तिवारी, गोपाल शर्मा, योगेश शर्मा, उमेश कुमार कश्यप, लखेश्वर यादव, मनीष चंद्रा, मनोज थवाईत, मुरली नायर, हर्षित तिवारी, सीताराम नायक, हरीश राठौर सहित बड़ी संख्या में प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया, वेब मीडिया के पत्रकारों ने सपरिवार पहुंचकर इस शिविर का लाभ उठाया। शिविर में पहुंचे पत्रकारों का कहना था कि जिला मुख्यालय में पहली बार पत्रकारों और उनके परिजनों के स्वास्थ्य की चिंता किसी ने करते हुए इस तरह का आयोजन किया है, जिसे हर साल होना चाहिए। जिस पर जांजगीर चांपा विधायक ब्यास कश्यप ने कहा कि समाजसेवी, वेद विषारद डॉ. गौरीशंकर कश्यप की स्मृति में आज का यह आयोजन किया गया है, पत्रकार साथी चाहेंगे तो एक वर्ष क्यों, हर 6 माह में उनके लिए यह आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर पार्षद अरमान खान, राधे थवाईत, कृष्णा, पंकज यादव, आर्यन सिंह, परमेश्वर यादव सहित बड़ी संख्या में पत्रकार साथी एवम आमजन उपस्थित रहे। संजीवनी हार्ट केयर एंड मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल जांजगीर के संचालक डॉ लोकेन्द्र कश्यप ने बताया की आज के इस मेगा हेल्थ कैंप में आने वाले लोगों को ब्लड प्रेशर, ईसी जी, 2ष्ठ एको,ब्लड सुगर यूरिन टेस्ट, टी.एम.टी. (ट्रेड मिल टेस्ट), डेन्टल चेक अप सहित विभिन्न प्रकार की जांच की गई। आज के इस मेगा हेल्थ चेकअप कैंप में प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. लोकेंद्र कश्यप मेडिसिन विशेषज्ञ, वसुंधरा कश्यप (सीनियर डेंटल सर्जन), डॉ. निकिता सिंह (जनरल फिजिशियन), जानू चश्मा घर के स्टाफसहित संजीवनी हार्ट केयर एंड मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल जांजगीर के स्टाफउपस्थित रहे।

25 लोगो ने कराया आई चेकअप, 30 ने ईसीजी तो 65 का हुआ अन्य जांच – आज के इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 25 लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई वही 30 से ज्यादा लोगों का ईसीजी किया गया, वही 65 लोगो का ब्लड प्रेशर, शुगर, सहित अन्य प्रकार की जांच की गई। स्वास्थ्य शिविर को लेकर पत्रकारों एवम उनके परिजनों में काफी उत्साह देखा गया।

प्राकट्य महोत्सव आज.....

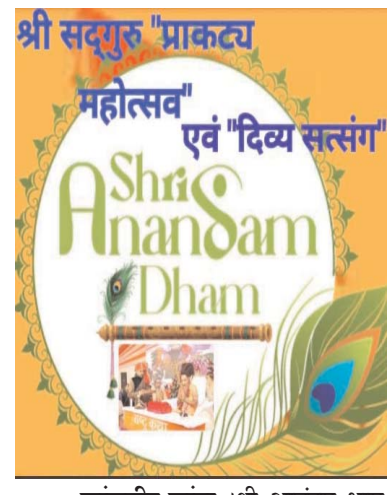

जांजगीर चांपा ।श्री आनंदम् धाम् पीठ वृंदावन परमपूज्य श्री सद्गुरुदेव महाप्रभु श्रीजी ÷द्वारा आध्यात्मिक ÷प्राकट्य महोत्सव÷ एवं ÷दिव्य श्री आनंदम् सत्संग÷ का आयोजन आज दिनाँक - 05 जनवरी 2026 दिन सोमवार को श्री आनंदम् धाम आश्रम अमरताल, जांजगीर में संपन्न होगा । श्री सद्गुरुदेव जी के जन्म दिवस एवं आनंदमनिधिवन रिजॉर्ट के स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी सपरिवार सादर आमंत्रित हैं। समय सायं 03:00 से 05 :00 बजे तक ,भोग प्रसाद की व्यवस्था है। उक्त जानकारी सद्गुरु जी के परम शिष्य जीतू जितेंद्र अग्रवाल ने दी है ।

खास खबर

दीपका- गेवरा में सीआईएसएफ ने वृहद संख्या में वृक्षारोपण कर नववर्ष की सकारात्मक शुरुआत की

कोरबा नव वर्ष 2026 के उपलक्ष्य में सीआईएसएफ यूनिट एसईसीएल बिलासपुर के दीपका एवं गेवरा में तैनात बल सदस्यों द्वारा उप महानिरीक्षक श्री निर्विकार के मार्गदर्शन में गेवरा में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर उप महानिरीक्षक द्वारा वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के दौरान 501 विभिन्न प्रजातियों के पौधे जिसमे साल, नीम, अमरूद, बाँस, शहतूत,अशोक आदि विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर नए वर्ष की सकारात्मक शुरुआत की गई ।

जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं एनकोर्ड की बैठक प्रत्येक माह के प्रथम मंगलवार को

कोरबा जिला में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने तथा शहर में बढ़ते यातायात को सुगम बनाने के उद्देश्य से जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक एवं एनकोर्ड (छंतबवजपबे ब्ववतकपदंजपवद) की बैठक अब प्रत्येक माह के प्रथम मंगलवार को आयोजित की जाएगी।

यह बैठक समय-सीमा की बैठक के पश्चात कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न होगी। यदि किसी अपरिहार्य कारणवश अथवा अवकाश की स्थिति में बैठक आयोजित करना संभव नहीं होगा, तो इसे द्वितीय मंगलवार को रखा जाएगा।

इन बैठकों के माध्यम से सड़क सुरक्षा, यातायात प्रबंधन एवं नशीले पदार्थों की रोकथाम से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विभागीय अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे, जिससे आम नागरिकों की सुविधा एवं सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों का होगा वार्षिक सत्यापन

निगम के समस्त वार्डों में चलेगा विशेष अभियान, कर्मचारियों की लगाई गई वार्डवार ड्यूटी

कोरबा शासन की विभिन्न पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों का वार्षिक सत्यापन मोबाईल एप बेनेफिशरी सत्यापन एप के माध्यम से किया जाएगा, इस हेतु नगर पालिक निगम केरबा के समस्त वार्डो में विशेष अभियान चलाया जाएगा। आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय के मार्गदर्शन में अपर आयुक्त श्री विनय मिश्रा ने इस हेतु आदेश जारी कर वार्डवार कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है।

शासन से प्राप्त दिशा निर्देशों के तहत शासन के सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत संचालित केन्द्रीय पेंशन योजनाओं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना के हितग्राहियों का वार्षिक सत्यापन मोबाईल एप बेनेफिशरी सत्यापन एप से शत प्रतिशत किया जाना है। साथ ही आधार सत्यापन हेतु हितग्राहियों से आधार कार्ड, बैंक पासबुक की छायाप्रति के साथ मोबाईल नम्बर भी लिया जायेगा, इस हेतु नगर पालिक निगम कोरबा के समस्त वार्डों में विशेष अभियान चलाया जाएगा। अपर आयुक्त श्री विनय मिश्रा ने आदेश जारी कर अभियान के सफल संचालन हेतु कर्मचारियों की वार्डवर ड्यूटी लगाई है।

5 से राजस्व वसूली के लिए वार्डो में लगेंगे शिविर

आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने बकायादारों व करदाताओं से की अपील - शिविर में पहुंचकर जमा करें बकाया कर राशि

कोरबा आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के निर्देश पर नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा राजस्व वसूली हेतु वार्डों में शिविरों का आयोजन किया जाएगा, यह शिविर 05 जनवरी से 30 जनवरी तक निर्धारित कार्यक्रम के तहत आयोजित होंगे तथा वार्ड के निर्धारित स्थलों पर करदाताओं व बकायादारों से बकाया करों की राशि जमा कराई जाएगी। आयुक्त श्री पाण्डेय ने निगम के करदाताओं, बकायादारों से अपील की है कि वे शिविरों में पहुंचकर बकाया करों की राशि जमा कराएं, साथ ही ऐसे नए भवन, मकान तथा अन्य सम्पत्तियाँ जिनमें सम्पत्तिकर अभी तक आरोपित नहीं किया गया है, वे नियमानुसार आवेदन पत्र सहित स्व-विवरणी फार्म भरकर अपने संबंधित जोन कार्यालय में राशि जमा कराएं।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा 05 जनवरी से 30 जनवरी 2026 तक वार्डो में लगाए जाने वाले राजस्व वसूली शिविरों हेतु निर्धारित किए गए कार्यक्रम के अनुसार 05 जनवरी को वार्ड क्र. 01 रामसागरपारा दलिया गोदाम, वार्ड क्र. 03 साकेतनगर तुलसीनगर सामुदायिक भवन, वार्ड क्र. 26 आंगनबाड़ी केन्द्र क्र. 02 कृष्णानगर, वार्ड क्र. 19 पथरीपारा सामुदायिक भवन, वार्ड क्र. 38 अमर सिंह होटल के पास सार्वजनिक मंच, वार्ड क्र. 48 कलमीडुग्गू सामुदायिक भवन, वार्ड क्र. 61 वैशालीनगर बरमपुर गणेश पण्डाल के पास शिविर आयोजित होंगे। इसी प्रकार 06 जनवरी को वार्ड क्र. 01 रामसागरपारा दलिया गोदाम, वार्ड क्र. 03 साकेतनगर तुलसीनगर सामुदायिक भवन, वार्ड क्र. 26 आंगनबाड़ी केन्द्र क्र. 02 कृष्णानगर, वार्ड क्र. 19 मानस नगर पथरीपारा, वार्ड क्र. 38 चेकपोस्ट लालघाट, वार्ड क्र. 48 जयभगवान गली दर्री, वार्ड क्र. 61 वैशालीनगर बरमपुर गणेश पण्डाल के पास, 07 जनवरी को वार्ड क्र. 02 दुर्गा चैक पटेलपारा, वार्ड क्र. 03 साकेतनगर तुलसीनगर सामुदायिक भवन, वार्ड क्र. 26 आंगनबाड़ी केन्द्र क्र. 02 कृष्णानगर, वार्ड क्र. 20 छ.ग.वि.मं. क्र. 02 बजरंग चैक पण्डाल पथरीपारा, वार्ड क्र. 39 हाउसिंग बोर्ड सामुदायिक भवन रिसदा, वार्ड क्र. 49 प्रेमनगर आंगनबाड़ी केन्द्र, वार्ड क्र. 62 सर्वमंगला नगर दशहरा मैदान दुर्गा पण्डाल, 08 जनवरी को वार्ड क्र. 02 दुर्गा चैक पटेलपारा, वार्ड क्र. 03 साकेतनगर तुलसी नगर सामुदायिक भवन, वार्ड क्र. 27 दुर्गा पण्डाल एम.पी.नगर कोरबा, वार्ड क्र. 20 छ.ग.वि.मं. क्र. 02 डीरीपारा, वार्ड क्र. 39 हाउसिंग बोर्ड सामुदायिक भवन रिसदा, वार्ड क्र. 50 आंगनबाड़ी के पास हसदेव क्र. 03, वार्ड क्र. 62 सर्वमंगला नगर दशहरा मैदान दुर्गा पण्डाल, 09 जनवरी को वार्ड क्र. 05 देवांगनपारा ब्राम्हण मोहल्ला, वार्ड क्र. 04 सामुदायिक भवन रातारवार, वार्ड क्र. 27 दुर्गा पण्डाल एम.पी.नगर कोरबा, वार्ड क्र. 22 कांशीनगर नवधा पण्डाल, वार्ड क्र. 40 बरगद चैक सार्वजनिक मंच पाड़ीमार क्र. 01, वार्ड क्र. 51 स्याहीमुड़ी सामुदायिक भवन, वार्ड क्र. 63 विकास नगर वैशालीनगर, 10 जनवरी को वार्ड क्र. 05 प्रताप चैक देवांगनपारा, वार्ड क्र. 04 सामुदायिक भवन रातारवार, वार्ड क्र. 27 दुर्गा पण्डाल एम.पी.नगर कोरबा, वार्ड क्र. 22 कांशीनगर नवधा पण्डाल, वार्ड क्र. 40 पाड़ीमार क्र. 01 सामुदायिक भवन इंदिरा मार्केट के पास, वार्ड क्र. 51 स्याहीमुड़ी सामुदायिक भवन, वार्ड क्र. 63 विकास नगर विद्यानगर, 12 जनवरी को वार्ड क्र. 06 पुरानी बस्ती भण्डारी चैक, वार्ड क्र. 04 सामुदायिक भवन रातारवार, वार्ड क्र. 28 एस.ई.सी.एल. क्र. 01 गणेश पण्डाल मुड़ापार, वार्ड क्र. 23 गणेश पण्डाल बुधवारी, वार्ड क्र. 41 पाड़ीमार क्र. 02 गणेशनगर, वार्ड क्र. 52 अयोध्यापुरी उरांव मोहल्ला, वार्ड क्र. 64 इमलीछापर चैक, 13 जनवरी को वार्ड क्र. 06 पुरानी बस्ती भण्डारी चैक, वार्ड क्र. 15 परिवहन नगर पन्द्रह ब्लाक गणेश पण्डाल, वार्ड क्र. 28 एस.ई.सी.एल. क्र. 01 गणेश पण्डाल मुड़ापार, वार्ड क्र. 23 गणेश पण्डाल बुधवारी, वार्ड क्र. 41 डुग्गूपारा पाड़ीमार क्र. 02, वार्ड क्र. 52 पंडाल पावर सिटी रोड अयोध्यापुरी, वार्ड क्र. 64 इमलीछापर चैक, 14 जनवरी को वार्ड क्र. 07 सिंधी गुरूद्वारा धनुहारपारा, वार्ड क्र. 15 पन्द्रह ब्लाक गणेश पण्डाल, वार्ड क्र. 29 गणेश पण्डाल मुड़ापार, वार्ड क्र. 24 खपराभट्ठा देवांगन पार्षद घर के पास, वार्ड क्र. 42 दैहानपारा बालकोनगर, वार्ड क्र. 53 चोरभट्ठी पावर सिटी गेट के पास, वार्ड क्र. 65 भैरोताल आनंदनगर सामुदायिक भवन, 15 जनवरी को वार्ड क्र. 07 सिंधी गुरूद्वारा धनुहारपारा, वार्ड क्र. 15 पन्द्रह ब्लाक गणेश पण्डाल, वार्ड क्र. 29 गणेश पण्डाल मुड़ापार, वार्ड क्र. 24 खपराभट्ठा देवांगन पार्षद घर के पास, वार्ड क्र. 42 दैहानपारा बालकोनगर, वार्ड क्र. 53 चोरभट्ठी पावर सिटी गेट के पास, वार्ड क्र. 65 भैरोताल आनंदनगर सामुदायिक भवन, 16 जनवरी को वार्ड क्र. 08 मोतीसागरपारा सामुदायिक भवन गोकुलगंज, वार्ड क्र. 15 स्टेडियम जोन कार्यालय टी.पी.नगर, वार्ड क्र. 29 गणेश पण्डाल मुड़ापार, वार्ड क्र. 25 शिवाजीनगर दुर्गा पण्डाल, वार्ड क्र. 43 कैलाशनगर सार्वजनिक मंच, वार्ड क्र. 54 जमनीपाली चैक के समीप बीच बस्ती, वार्ड क्र. 66 डगनियाखार पंखादफाई, 17 जनवरी को वार्ड क्र. 08 मोतीसागरपारा सामुदायिक भवन गोकुलगंज, वार्ड क्र. 16 पम्प हाउस सार्वजनिक मंच, वार्ड क्र. 30 नवधा पण्डाल रामनगर, वार्ड क्र. 25 शिवाजीनगर दुर्गा पण्डाल, वार्ड क्र. 43 इंदिरानगर सार्वजनिक मंच, वार्ड क्र. 54 गोपालपुर स्कूल के समीप सारथी मोहल्ला, वार्ड क्र. 66 शांतिनगर बाजार के पास शिविर आयोजित होंगे।

नगर निगम का हीटर, नहीं कर रहा हिटय अलाव जलाने मजबूर हो रहे नागरिक

कोरबा

नगर पालिक निगम कोरबा ने ठंड से बचाव के लिए पुलिस थानों से लेकर आम नागरिकों तक के लिए हीटर खरीद कर वितरण किया है। लेकिन ये हीटर हिट ही नहीं कर रहे, जिसके चलते ठंड से बचने के लिए नागरिकों को अलाव का सहारा लेने मजबूर होना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार नगर निगम ने ठंड से नगर वासियों को बचाने के लिए लाखों रुपयों के हीटर की खरीदी की है। हीटर खरीदने के बाद नगर निगम क्षेत्र में अनेक स्थानों पर नागरिकों को हीटर वितरण किया गया है। लेकिन ये हीटर प्रभावहीन हैं। ये हिट ही नहीं कर रहे। पुराना बस स्टैंड कोरबा मानक ऐसा ही हीटर दिया गया है। यहां लोगों को हीटर चालू करने पर कोई राहत ही नहीं मिलती। लिहाजा वे लकड़ी खरीदकर अलाव जला रहे हैं।

इसी तरह नगर निगम क्षेत्र में अन्य स्थानों में दिए गए इलेक्ट्रिक हीटर का भी यही हाल है। लोगों ने बताया कि हीटर अत्यधिक घटिया दर्जे का है। उन्होंने संदेह जताया कि संभवतः ये हीटर चीन निर्मित हैं। चीन के उत्पाद सस्ते तो होते हैं लेकिन वे गुणवत्ताहीन भी होते है। लोगों का कहना है कि हीटर खरीदी और इसकी गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और इनकी खरीदी किस प्रक्रिया से और किस दर से की गई है? इसका सार्वजनिक रूप से खुलासा किया जाना चाहिए। साथ ही खरीदे गए हीटर की संख्या का भी फिजिकल वेरिफिकेशन किया जाना चाहिए। ताकि खरीदी में यदि गालमेल और घोटाला हुआ है तो उसका पता लगाया जा सके।

उल्लेखनीय कि पूर्व वर्षों में भी हीटर खरीद कर नगर निगम क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर लगाए जाते रहे हैं, लेकिन दूसरी बड़ी हीटर नजर ही नहीं आते। ऐसे में क्या यह समझा जाए की लिखो फेको पेन की तरह हीटर भी होता है जो केवल एक बार उपयोग में आता है और कचरे की डिब्बी में फेंक दिया जाता है? याद रहे कि नगर निगम कोरबा भ्रष्टाचार के लिए कुख्यात रहा है और पूर्व में अनेक अधिकारी जेल की हवा खा चुके हैं। जिले के डीएफ घोटाले की विस्तृत जांच किए जाने पर नगर निगम के भी कई घोटाले उजागर हो सकते हैं। नगर निगम कोरबा में किए जा रहे तथाकथित विकास कार्यों की और चित्र की भी जांच किए जाने की आवश्यकता है। डीएमएफऔर शासन से प्राप्त होने वाली राशि कोई न केंद्र पर करंट खर्च करने के लिए किसी भी तरह की योजना बना दी जाती है और निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाता है। निगम क्षेत्र में हर साल बनने वाली सड़क इसका सटीक उदाहरण है जो पहले ही बारिश में हर साल उखड़ जाती है और अगले साल फिर करोड़ों रुपए होकर इन सड़कों का नवनिर्माण कराया जाता है।

प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के लिए आवेदन आमंत्रित

जिला कोरबा को वर्ष 2025-26 का लक्ष्य प्राप्त

कोरबा। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित, कोरबा को प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इस योजना के अंतर्गत जिले में निवासरत गरीबी रेखा सर्वे सूची में शामिल शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों से स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के उद्देश्य से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक आवेदक किराना, मनिहारी, कपड़ा, नाई सैलून, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, फैंसी स्टोर, मोटर मैकेनिक, साइकिल मरम्मत, टीवी, रेडियो, मोबाइल रिपेयरिंग, वाइंडिंग, मुर्गीपालन, बकरी पालन, सब्जी व्यवसाय, दोना-पत्तल निर्माण, लघु एवं कुटीर उद्योग सहित स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप किसी भी उपयुक्त व्यवसाय का चयन कर सकते हैं।

आवेदन के लिए आवेदक का कोरबा जिले का मूल निवासी होना आवश्यक है, जिसके लिए सक्षम अधिकारी द्वारा जारी मूल निवासी प्रमाण पत्र के साथ मतदाता परिचय पत्र, राशन कार्ड, आधार कार्ड, बैंक पासबुक या बिजली बिल जैसे दस्तावेज संलग्न करने होंगे। आवेदक का अनुसूचित जाति वर्ग का होना भी अनिवार्य है, जिसके लिए जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार परिवार की वार्षिक आय सीमा अधिकतम दो लाख पचास हजार रुपये निर्धारित की गई है। आयु सीमा 18 से 50 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण स्वरूप पांचवीं, आठवीं या दसवीं की अंकसूची या कोई अन्य वैध दस्तावेज संलग्न करना आवश्यक है।

नमामि हसदेव सेवा समिति के द्वारा माँ सर्वमंगला मंदिर घाट पर भव्य हसदेव आरती का आयोजन आज

हसदेव नदी के संरक्षण और सौंदर्यीकरण के लिए किया जा रहा निरंतर प्रयास

कोरबा नमामि हसदेव सेवा समिति द्वारा कोरबा जिले की जीवनदायिनी हसदेव नदी और इसके सहायक नदियों के प्रदूषण को कम करने, संरक्षण करने और तट के सौंदर्यीकरण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस महत्वपूर्ण उद्देश्य के तहत, नमामि हसदेव सेवा समिति के द्वारा प्रत्येक मास की पूर्णिमा को हसदेव आरती का आयोजन किया जाता है। इस बार, पौष पूर्णिमा के अवसर पर 3 जनवरी 2026 (शनिवार) को सायं 5 बजे माँ सर्वमंगला मंदिर घाट, कोरबा पर भव्य हसदेव आरती का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर बतौर मुख्य यजमान श्री भोजराम देवांगन (अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य हाथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ) और विशिष्ट यजमान के रूप में श्री नरेन्द्र कुमार अग्रवाल (महामंत्री, चेम्बर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री, कोरबा), श्री विमल कुमार जोशी (अध्यक्ष, मारवाड़ी ब्राह्मण विकास समिति, कोरबा), श्री मनीष जैन (सचिव, जैन मिलन समिति, कोरबा), और श्री विद्यानंद पाण्डेय (प्राचार्य, सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सीतामढ़ी, कोरबा) शामिल होंगे। विदित रहे कि समिति द्वारा यह आयोजन प्राकृतिक जल स्रोतों की सफाई और उनके संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से किया जाता है।

व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में आंतरिक शिकायत समिति गठन करना अनिवार्य

समिति गठित नहीं होने पर 50 हजार रुपए जुर्माने का प्रावधान

कोरबा । महिलाओं का कार्यस्थल पर लैगिंक उत्पीडन (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम 2013 के क्रियान्वयन के संबंध में तथा महिलाओं के सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए जिला प्रशासन सजग है। ऐसे सभी विभाग, संगठन, उपक्रम, प्रतिष्ठान, उद्यम, संस्थान, कार्यालय, शाखा अथवा इकाई जो प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से सरकार, स्थानीय प्राधिकरण, सरकारी कम्पनी, निगम, सहकारी सोसाइटी द्वारा प्रदत्त निधियों द्वारा स्थापित, स्वामित्वाधीन, नियंत्रणाधीन अथवा वित्त पोषित हो। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि निजी क्षेत्र का संगठन, उपक्रम, उद्यम संस्थान, प्रतिष्ठान, सोसाईटी, न्यास, गैर-शासकीय संगठन, इकाई अथवा सेवा प्रदाता जो वाणिज्यिक, व्यावसायिक, शैक्षिक, मनोजरंजन, औद्योगिक, स्वास्थ्य सेवाएं अथवा वित्तीय क्रियाकलाप कर रहा हो, जिसमें उत्पादन, आपूर्ति, विक्रय, वितरण, अस्पताल अथवा नर्सिंग होम, खेलकूद का संस्थान, स्टेडियम, खेल परिसर, प्रतियोगिता अथवा खेल का स्थान आदि निजी क्षेत्र जहां 10 या 10 से अधिक अधिकारी-कर्मचारी कार्यरत है वहां अधिनियम के धारा 04 के अनुसार आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया जाना अनिवार्य है। समिति में महिला जो कार्यस्थल के कर्मचारियों में से वरिष्ठ स्तर के हो अध्यक्ष होगी, कर्मचारियों में से महिलाओं के लिए प्रतिबद्ध अथवा सामाजिक कार्य में अनुभव रहने वाली 02 सदस्य व गैर शासकीय संगठन, संघ से 01 सदस्य होगें, आधे से अधिक महिलाएं सदस्य हो सकती है। समिति का कार्यकाल 03 वर्ष का होगा। समिति का गठन नही होने पर अधिनियम की धारा 26 के अंतर्गत 50 हजार रूपये का जुर्माने का प्रावधान है। उल्लेखनीय है कि महिलाओं के सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु माननीय उच्चतम न्यायालय में प्रकरण क्रमांक 22553/2023 में नियमित सुनवाई की जा रही है। प्रशासन द्वारा इस पर सभी कार्यालय, व्यवसायिक प्रतिष्ठान जहां 10 या 10 से अधिक कर्मचारी कार्यरत है वहां समिति का गठन अनिवार्य है।

अतः जिले के सभी व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में समिति गठन कर उसेपोर्टल में ऑनबोर्ड कर आंतरिक शिकायत समिति के पदाधिकारियों का विवरण एण्ट्री करना अनिवार्य है।

प्रधानमंत्री आवास योजना : महापौर ने 306 हितग्राहियों को प्रदान किया आवासगृह स्वीकृति व भवन अनुज्ञा पत्र

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 अंतर्गत निगम क्षेत्र में ''मोर जमीन-मोर मकान '' बी.एल.सी. घटक अंतर्गत वर्तमान में 3582 हितग्राहियों को स्वीकृत हुए आवासगृह

कोरबा महापौर संजूदेवी राजपूत ने निगम कार्यालय साकेत में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 '' मोर जमीन-मोरी मकान '' बी.एल.सी. घटक के 306 हितग्राहियों को आवास स्वीकृति पत्र एवं भवन निर्माण अनुमति पत्र प्रदान किया। इस अवसर वरिष्ठ पार्षद एवं निगम के पूर्व सभापति श्री अशोक चावलानी, एम.आई.सी. सदस्य अजय गोंड़, ममता यादव, पार्षद पंकज देवांगन, रूबीदेवी सागर, धनश्रीअजय साहू, उर्वशी राठौर, अपर आयुक्त विनय मिश्रा, अधीक्षण अभियंता व नोडल अधिकारी सुरेश बरूआ उपस्थित थे। महापौर श्रीमती राजपूत ने हितग्राहियों को बधाई व शुभकामनाएं दी तथा समयसीमा में मकानों का निर्माण कार्य प्रारंभ कर निर्माण कार्य पूर्ण करने की सलाह हितग्राहियों को दी।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत '' मोर जमीन-मोर मकान '' बी.एल.सी. घटक अंतर्गत नगर निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत वर्तमान में 3582 नए हितग्राहियों को आवासगृहों की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। आज नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित सभा कक्ष में महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने 306 हितग्राहियों को आवासगृहों के स्वीकृति पत्र व भवन निर्माण अनुज्ञा पत्र प्रदान किया। इसके पूर्व विगत 326 हितग्राहियों को आवासगृह स्वीकृति व भवन अनुज्ञा पत्र महापौर श्रीमती राजपूत के द्वारा हितग्राहियों को प्रदान किए गए थे। इस मौके पर महापौर श्रीमती राजपूत ने हितग्राहियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को दिल से साधुवाद है कि उन्होने समाज के सभी वर्ग के लोगों के साथ-साथ विशेष रूप से गरीब, निर्धन व आर्थिक रूप से पिछड़े हुए लोगों के उत्थान के लिए, उनका जीवन स्तर ऊंचा उठाने के लिए दर्जनों जनकल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित की है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के परिणाम स्वरूप देश के करोड़ों लोगों को पक्के मकान मिल चुके हैं तथा करोड़ों लोगों को आगे भी पक्के व सर्वसुविधायुक्त मकान मिलेंगे, जिससे देश का कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं रहेगा, जिसके पास अपना खुद का पक्का मकान न हों। महापौर श्रीमती राजपूत ने आगे कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सत्ता की बागडोर संभालते ही छत्तीसगढ़ के 18 लाख लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति दी थी, उन्हें साधुवाद है कि उनके द्वारा मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजना के अंतर्गत 32850 रूपये की अतिरिक्त राशि ऐसे हितग्राहियों को दी जा रही है, जिनके द्वारा 18 माह के अंदर भवन का निर्माण कार्य पूरा किया जावेगा। उन्होने हितग्राहियों से कहा कि आप किसी की बातों से भ्रमित न हो, यदि आपसे कोई रूपये पैसे की मांग करता है और किसी प्रकार का प्रलोभन देता है तो उसकी बातों में आए बिना तुरंत अपने वार्ड पार्षद व निगम के अधिकारियों से संपर्क करें, आपके वार्ड पार्षद व निगम के अधिकारी आपका पूरा सहयोग करेंगे, आप समय-समय पर अपनी समस्याएं उन्हें अवश्य बताएं। कोरबा को बी.एल.सी. में प्रथम स्थान - इस अवसर पर वरिष्ठ पार्षद व पूर्व सभापति श्री अशोक चावलानी ने हितग्राहियों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की ओर से आप सबको आवासगृहों हेतु बधाई व शुभकामनाएं देता हूँ।

आयुक्त एवं रोल ऑब्जर्वर ने राजनीतिक दलों को दी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की विस्तृत जानकारी

कोरबा आयुक्त व रोल ऑब्जर्वर बिलासपुर संभाग श्री सुनील जैन तथा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुणाल दुदावत की उपस्थिति में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयुक्त एवं रोल ऑब्जर्वर द्वारा निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग की स्पष्ट मंशा है कि कोई भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से न कटे और किसी भी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में न जुड़ने पाए। विशेष गहन पुनरीक्षण अंतर्गत 22 जनवरी तक दावा-आपत्तियाँ आमंत्रित की गई हैं। मृत मतदाताओं एवं दो स्थानों पर दर्ज मतदाताओं के नाम विलोपित किए जा रहे हैं। एसआईआर प्रक्रिया के अंतर्गत 'सी' श्रेणी में सम्मिलित मतदाताओं से भी दावा-आपत्ति आमंत्रित की गई है। उन्होंने बताया कि नाम जोड़ने, एक स्थान से दूसरे स्थान पर शिफ्ट करने एवं अन्य आवश्यक सुधार के लिए आवेदन किया जा सकता है। प्राप्त आवेदनों की सुनवाई उपरांत पात्र पाए गए आवेदकों के अनुसार मतदाता सूची संशोधित की जाएगी। आयुक्त एवं रोल ऑब्जर्वर श्री जैन ने राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि एसआईआर की प्रक्रिया में बूथ लेवल असिस्टेंट (बीएलए) का सहयोग महत्वपूर्ण है, अतः वे क्षेत्र के बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के साथ समन्वय स्थापित करें ताकि कोई भी पात्र मतदाता आवेदन से वंचित न रहे। बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सुझावों को आयुक्त एवं रोल ऑब्जर्वर ने गंभीरता से सुना। दलों द्वारा मृत, शिफ्टेड तथा अनुपस्थित मतदाताओं की सूची बीएलए के पास उपलब्ध कराने की मांग पर उन्होंने बताया कि यह सूची बीएलए के पास उपलब्ध है तथा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उसका अवलोकन कर सकते हैं। बूथ और भाग संख्या में परिवर्तन के कारण मतदाताओं को नाम खोजने में आ रही कठिनाइयों तथा नए व पुराने भाग संख्या की सूची उपलब्ध कराने संबंधी मांग पर।

आमंत्रित :'बस्तर पंडुम 2026' में किया आमंत्रित

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय जनजातीय सांस्कृतिक महोत्सव 'बस्तर पंडुम 2026' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आमंत्रण दिया।

सहायक अभियंता वर्षा सिंह ने आंगनबाड़ी के बच्चों संग मनाया

प्रोजेक्ट आओं बांटें खुशियां के माध्यम से शासकीय कर्मचारी न केवल बच्चों के साथ खुशियां बांट रहे हैं, बल्कि सामाजिक सेवा भाव को भी बढ़ावा दे रहे हैं।

रायपुर। जिले में शासकीय कर्मचारियों के जन्मदिन अब केवल व्यक्तिगत उत्सव तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि वे समाज सेवा का सशक्त माध्यम बनते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना एवं न्योता भोज के अंतर्गत संचालित प्रोजेक्ट आओं बांटें खुशियांका उद्देश्य खुशियों को समाज के साथ साझा करना है। इस पहल को शासकीय कर्मचारी पूरे उत्साह और संवेदनशीलता के साथ अपना रहे हैं।इसी कड़ी में आज आर.ई.एस. विभाग की प्रभारी सहायक अभियंता श्रीमती वर्षा सिंह ने अपना जन्मदिन आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 02, सड्डू में बच्चों के साथ मनाया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों के साथ केक काटा तथा उन्हें पुलाव, पूरी और चने की सब्जी खिलाया।श्रीमती वर्षा सिंह ने कहा कि बच्चों के साथ जन्मदिन मनाना उनके लिए एक सुखद और भावनात्मक अनुभव रहा। बच्चों के चेहरे पर मुस्कान देखकर उन्हें विशेष खुशी मिली। उन्होंने इस जनहितकारी पहल के लिए जिला प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के प्रयास समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं। प्रोजेक्ट आओं बांटें खुशियां के माध्यम से शासकीय कर्मचारी न केवल बच्चों के साथ खुशियां बांट रहे हैं, बल्कि सामाजिक सेवा भाव को भी बढ़ावा दे रहे हैं।

छेरछेरा तिहार : सामाजिक समरसता और लोक संस्कृति का उत्सव छेरछेरा तिहार

रायपुर। घर-घर अन्न दान लेकर मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने निभाई छेरछेरा की परम्पराछत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-सांस्कृतिक परम्पराओं में विशेष स्थान रखने वाले छेरछेरा तिहार के अवसर पर राज्य के राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने धरसींवा विकासखंड के ग्राम तरपोंगी में पारंपरिक रूप से घर-घर जाकर अन्न दान ग्रहण किया। इस अवसर पर गांव में उत्साह, अपनत्व और लोक उल्लास का वातावरण देखने को मिला।

घर-घर अन्न दान लेकर मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने निभाई छेरछेरा की परम्परा

मंत्री श्री वर्मा ने छेरछेरा की परम्परा का निर्वहन करते हुए ग्रामीणों से आत्मीय भेंट की और अन्न दान स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि छेरछेरा तिहार छत्तीसगढ़ की आत्मा से जुड़ा पर्व है, जो समाज में समानता, सहयोग और दान की भावना को सशक्त करता है। यह लोक पर्व हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है और सामाजिक समरसता का संदेश देता है।

घर-घर अन्न दान लेकर मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने निभाई छेरछेरा की परम्परा

मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि छेरछेरा केवल अन्न संग्रह का तिहार नहीं, बल्कि यह लोक संस्कृति, भाईचारे और मानवीय संवेदनाओं का उत्सव है। छत्तीसगढ़ की लोक परम्पराएं हमारी पहचान हैं और इन्हें संजोकर रखना हम सभी का दायित्व है। ऐसे पर्व समाज को जोड़ते हैं और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराते हैं। इस अवसर पर ग्रामीणों ने पारंपरिक उल्लास के साथ मंत्री का स्वागत किया। गांव में छेरछेरा तिहार की रौनक देखते ही बन रही थी। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने पूरे उत्साह के साथ इस लोक पर्व में सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।उल्लेखनीय है कि छेरछेरा छत्तीसगढ़ का लोकप्रिय पारंपरिक लोक-पर्व है, जिसे धान कटाई के बाद पौष मास (दिसंबर-जनवरी) में मनाया जाता है। यह पर्व राज्य की कृषि संस्कृति से गहराई से जुड़ा है। फसल कटने के उपरांत किसान ईश्वर और समाज के प्रति कृतज्ञता प्रकट करता है। छेरछेरा मूल रूप से दान, सहयोग और आपसी भाईचारे का पर्व है। इस दिन गांव के बच्चे, युवा और बुजुर्ग टोली बनाकर घर-घर जाते हैं और लोकगीत गाते हुए अन्न या दान मांगते हैं। दरवाजे पर पहुंचकर का गायन किया जाता है, जिसका भाव यह होता है कि माता के भंडार में भरपूर धान है, उसमें से थोड़ा दान प्रदान करें।इकट्ठा की गई सामग्री का उपयोग सामूहिक भोज, जरूरतमंदों की सहायता एवं सामाजिक कार्यों में किया जाता है।

134 पुनर्वासित युवाओं को जैविक खेती एवं पर्यटन स्थलों का कराया गया शैक्षणिक भ्रमणे

उन्नत कृषि के प्रशिक्षण की पुनर्वासित युवाओं ने जताई इच्छा

रायपुर। पुनर्वासित युवाओं को समाज की मुख्यधारा में लौटाने एवं आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के लिए राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में दंतेवाड़ा में जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज सोसाइटी द्वारा 134 पुनर्वासित युवाओं के लिए एक दिवसीय शैक्षणिक, कृषि एवं पर्यटन भ्रमण का आयोजन कराया गया।

गौरतलब है कि हाल ही में हितग्राहियों ने जिला प्रशासन के समक्ष कृषि एवं पर्यटन क्षेत्रों के व्यावहारिक भ्रमण की इच्छा व्यक्त की थी। इस मांग को गंभीरता से लेते हुए उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा की पहल पर जिला प्रशासन द्वारा यह भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उस भ्रमण के माध्यम से युवाओं को प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त होगा एवं वे आजीविका के नए अवसरों को भी जान सकें।

उन्नत जैविक खेती की तकनीकों को जाना

लाइवलीहुड कॉलेज प्रशिक्षकों की उपस्थिति में कृषि विभाग के अधिकारी कर्मचारियों तथा भूमगादी जैविक क्लस्टर के समन्वयकों द्वारा पुनर्वासित युवाओं को जैविक खेती की आधुनिक एवं व्यावहारिक तकनीकों की जानकारी दी गई। भ्रमण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों ने रासायनिक उर्वरकों के बिना कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने की विधियों, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा जैविक उत्पादों के बाजारीकरण से जुड़ी जानकारियों को बारीकी से समझा।

पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर जाने आजीविका के नवीन अवसर

कृषि के साथ-साथ हितग्राहियों को जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भी भ्रमण कराया गया। इस दौरान उन्हें स्थानीय पर्यटन की संभावनाओं, होम-स्टे, गाइड सेवाओं, हस्तशिल्प एवं स्थानीय उत्पादों के माध्यम से रोजगार सृजन के अवसरों से अवगत कराया गया।

विशेष आवासीय प्रशिक्षण की मांग

भ्रमण से उत्साहित पुनर्वासित युवाओं ने लाइवलीहुड कॉलेज प्रशासन के समक्ष सामूहिक रूप से यह आग्रह रखा कि उनके लिए दो से तीन दिवसीय विशेष आवासीय कृषि प्रशिक्षण आयोजित किया जाए। उनका कहना था कि इस तरह के गहन प्रशिक्षण से वे 'घर वापसी' के बाद अपने गांवों में उन्नत जैविक खेती को अपनाकर स्थायी आजीविका विकसित कर सकेंगे और आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगे। जिला प्रशासन ने हितग्राहियों की इस सकारात्मक पहल की सराहना करते हुए भविष्य में उनके कौशल विकास एवं स्वरोजगार से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और सुदृढ़ करने का आश्वासन दिया है। इस दौरान उन्हें स्थानीय पर्यटन की संभावनाओं, होम-स्टे, गाइड सेवाओं, हस्तशिल्प एवं स्थानीय उत्पादों के माध्यम से रोजगार सृजन के अवसरों से अवगत कराया गया।

अमरकंटक जा रहे रायपुर के युवकों की कार पेड़ से टकराई, दो की मौत, तीन घायल

रायपुर । रायपुर से पूर्णिमा स्नान के लिए अमरकंटक जा रहे श्रद्धालुओं की कार बिलासपुर जिले के बेलगहना क्षेत्र अनियंत्रित होकर सड़क से उतर गई और पेड़ से टकरा गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा मंगलवार सुबह का बताया जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार, रायपुर के खम्हारडीह थाना अंतर्गत कचना निवासी रामकुमार धीवर (45) अपने साथियों निलेश्वर धीवर (38), सुखसागर मानिकपुरी (39), अमित चंद्रवंशी और राजकुमार साहू के साथ अमरकंटक जा रहे थे। कार का संचालन निलेश्वर धीवर कर रहे थे। सुबह करीब 9 बजे वे बेलगहना चौकी क्षेत्र के ग्राम भसको के पास पहुंचे। इसी दौरान तेज रफ्तार कार सड़क से उतरकर पेड़ से जा टकराई। हादसे में रामकुमार धीवर और राजकुमार साहू को गंभीर चोटें आईं। कार चालक निलेश्वर धीवर और अन्य दो साथी भी घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलने पर बेलगहना पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर ही रामकुमार धीवर की मौत हो गई थी, जबकि रास्ते में राजकुमार साहू ने भी दम तोड़ दिया। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शव निकालने में दो घंटे की मशक्कत पुलिस टीम ने बताया कि कार हादसे के बाद काफी क्षतिग्रस्त हो गई थी।

वन विभाग का विधिक साक्षरता प्रशिक्षण कार्यक्रम, अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की तैयारी

रायपुर। राज्य के वन क्षेत्रों में अवैध शिकार की घटनाओं को रोकने के लिए वन विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है। कई मामलों में अपराधी पकड़े भी जाते हैं, लेकिन कभी-कभी वनकर्मियों को कानूनी प्रावधानों की पूरी जानकारी न होने के कारण अपराधियों के विरुद्ध मजबूत प्रकरण तैयार नहीं हो पाता, जिससे वे आसानी से छूट जाते हैं।

विधिक साक्षरता कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम

ऐसी स्थिति से बचने और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वन मंत्री श्री केदार कश्यप के नेतृत्व में तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) श्री अरुण कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार वन विभाग के कर्मचारियों के लिए विधिक साक्षरता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में दिसंबर माह में वनमण्डल कार्यालय दुर्ग के सभागार में ÷प्रोटेक्ट टुडे एंड सिक्योर टुमारो÷ परियोजना के अंतर्गत एक दिवसीय विधिक साक्षरता कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें जिला न्यायालय दुर्ग के काउंसलर श्री चंद्राकर ने मुख्य वक्ता के रूप में वन एवं वन्यजीव संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण कानूनी जानकारी दी। वन एवं वन्यजीव अपराधियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जा सके

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य वनकर्मियों को वन कानूनों, नियमों और धाराओं की स्पष्ट जानकारी देना है, ताकि प्रकरणों को मजबूत बनाया जा सके और अपराधियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जा सके। इसके लिए समय-समय पर संशोधित नियमों और कानूनी प्रावधानों की जानकारी कार्यशालाओं के माध्यम से दी जा रही है।

कार्यक्रम के दौरान भारतीय वन अधिनियम, 1927 तथा वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रमुख प्रावधानों पर विशेष रूप से चर्चा की गई। विशेषज्ञों द्वारा आरक्षित और संरक्षित वनों से संबंधित कानूनी धाराओं तथा विभागीय कार्रवाई की प्रक्रियाओं को सरल भाषा में समझाया गया। साथ ही राजस्व क्षेत्रों में होने वाले वन अपराधों की रोकथाम और नियंत्रण के उपायों पर भी जानकारी दी गई।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तीसरे दिन धमतरी में वाहन चालकों का नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर

जन-जागरूकता रथ, हेलमेट रैली और नेत्र परीक्षण - सुरक्षित यातायात हेतु धमतरी पुलिस की सराहनीय पहल

धमतरी पुलिस यातायात द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा जागरूकता के तहत अभियान लगातार जारी

धमतरी। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत धमतरी में सड़क सुरक्षा से जुड़े जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान की शुरुआत एसपी धमतरी द्वारा यातायात जन-जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर की गई, जिसका उद्देश्य जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करना है। अभियान के दूसरे दिन हेलमेट जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जिसमें दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट के अनिवार्य उपयोग का संदेश दिया गया। साथ ही स्कूली बच्चों एवं स्काउटङ्गगाइड के छात्रों ने हाथों में तख्तियां और स्लोगन लेकर पैदल जागरूकता रैली निकाली, जिसमें यातायात नियमों के पालन एवं नशा उन्मूलन का संदेश दिया गया। इसी श्रृंखला में आज धमतरी पुलिस यातायात शाखा द्वारा एसपी धमतरी के निर्देश पर कृषि उपज मंडी श्यामतराई में वाहन चालकों के लिए निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया गया, जिसमें कुल 108 वाहन चालकों का नेत्र परीक्षण किया गया। नेत्र विशेषज्ञों द्वारा चालकों की दृष्टि क्षमता एवं अन्य नेत्र संबंधी जांच की गई तथा आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया गया। इस पहल का उद्देश्य दृष्टि संबंधी कमियों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकना तथा सुरक्षित एवं जिम्मेदार ड्राइविंग को प्रोत्साहित करना है। उल्लेखनीय है कि धमतरी पुलिस द्वारा लगातार एक माह तक पूरे जिले में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें रैली, जन-संपर्क, पोस्टर एवं स्लोगन अभियान, स्वास्थ्य जांच शिविर और अन्य जन-जागरूकता गतिविधियाँ शामिल हैं। इसी क्रम में यातायात जागरूकता रथ द्वारा केरेगांव बाजार में पंपलेट वितरण कर आम जनता को जागरूक किया जा रहा है। धमतरी पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि- यातायात नियमों का पालन करें, नशे से दूर रहें, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें तथा सड़क सुरक्षा में सहभागी बनें।

वन संरक्षण के लिए वन विभाग सजग, वन प्रबंधन समितियों के साथ बैठकों का दौर जारी

रायपुर। राज्य में वन संरक्षण और वन्यजीव सुरक्षा के लिए वन विभाग लगातार कार्य कर रहा है। इसके बावजूद कहीं-कहीं वन एवं वन्यजीव अपराध, वनाग्नि तथा वन अतिक्रमण की घटनाएँ सामने आती हैं। इन पर प्रभावी नियंत्रण और वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वन मंत्री श्री केदार कश्यप द्वारा वन विभाग के अधिकारियों के साथ नियमित बैठकें की जा रही हैं तथा आवश्यक निर्देश दिए जा रहे हैं।

वन एवं वन्यजीव अपराधों में कमी लाने जनजागृति अभियान

वन मंत्री श्री केदार कश्यप के नेतृत्व में तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) श्री अरुण कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार 02 जनवरी को सरगुजा वनमण्डल अंतर्गत

लगभग 300 वन प्रबंधन समितियों (जॉइंट फॉरेस्ट मैनेजमेंट कमेटी) की बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य वन संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना रहा। बैठकों में वन एवं वन्यजीव अपराधों में कमी लाने, वनाग्नि की रोकथाम, वन अतिक्रमण पर नियंत्रण तथा स्थानीय स्तर पर सतत आजीविका के अवसर सृजित करने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

7 हजार से अधिक वन प्रबंधन समितियाँ कार्यरत : इसी क्रम में कटघोरा वनमण्डल अंतर्गत कोनकोना, बरपाली एवं मड़ई वन प्रबंधन समितियों के साथ भी बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति अध्यक्ष, सदस्य, ग्राम सरपंच एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने वनों में अवैध कटाई, अवैध खनन, अतिक्रमण एवं अवैध शिकार की रोकथाम तथा वनाग्नि से सुरक्षा के लिए सहयोग करने का संकल्प लिया। समिति सदस्यों को वनों की सुरक्षा, संरक्षण एवं संवर्धन में उनकी भूमिका और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया गया। उल्लेखनीय है कि राज्य में 7,000 से अधिक वन प्रबंधन समितियाँ कार्यरत हैं, जिनके माध्यम से सहभागी वन प्रबंधन को मजबूती मिलती है। ये समितियाँ वन विभाग और स्थानीय समुदाय के बीच समन्वय स्थापित करती हैं तथा वनों के संरक्षण, संसाधनों के सतत उपयोग और ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

गरियाबंद पुलिस द्वारा सराहनीय पहल: 'रजत जयंती' के अवसर पर विशाल रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन।

रायपुर । छ.ग. भारत का 26वां राज्य बनने के बाद अपनी संस्कृति विरासत को सहेज कर विकास के लक्ष्यों को हासिल कर देश में एक विशिष्ट पहचान बनाई है। इस ''रजत जयंती'' के अवसर पर गृह विभाग (गरियाबंद पुलिस) के द्वारा जिला अस्पताल गरियाबंद में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गरियाबंद जिले के कलेक्टर भगवान सिंह उईके की उपस्थिति में पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरेन्द्र पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष रिखी राम यादव , अंकित जैन के साथ अन्य पुलिस जवानों एवं स्थानीय युवाओं के साथ लगभग 92 से अधिक रक्तदाताओं के द्वारा 'जनसेवा और सुरक्षा' के लिए रक्तदान किये। पुलिस अधीक्षक के द्वारा इस रक्तदान शिविर के उद्देश्य के संबंध में ताया कि छ.ग. राज्य के 25 वर्षों का यह सफर गौरवशाली रहा है।

जिसे हम रजत जयंती के रूप में मना रहे है। पुलिस केवल कानून व्यवस्था ही नही बल्कि जन-सेवा के कार्यों में भी सदैव अग्रणी रहना चाहते हैं। एक यूनिट रक्त किसी का जीवन बचा सकता है, और हमारे जवानों ने आज सेवा का नया उदाहरण पेश किया है। रक्तदान जरूरतमंदों की मदद करना और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना था। इस नेक कार्य में पुलिस विभाग के राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों, आरक्षकों और बड़ी संख्या में स्थानीय युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर के सफल आयोजन के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम और सहयोग करने वाले सभी स्वयंसेवी संगठनों का आभार व्यक्त किया गया। रक्तदाताओं को विभाग की ओर से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। जिसे हम रजत जयंती के रूप में मना रहे है। पुलिस केवल कानून व्यवस्था ही नही बल्कि जन-सेवा के कार्यों में भी सदैव अग्रणी रहना चाहते हैं। एक यूनिट रक्त किसी का जीवन बचा सकता है, और हमारे जवानों ने आज सेवा का नया उदाहरण पेश किया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)